■ आश्विन शुक्ल - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 76 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 08-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बहुजन को अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा हम करेंगे : राहुल

6 बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

7 भारत, यूएई खाद्य गलियारा स्थापित करने पर दो अरब डॉलर का निवेश करेंगे : गोयल

फर्स्ट टेक

नासा द्वारा निशाना बनाए गए एक क्षुद्रग्रह की ओर रवाना हुआ अंतरिक्ष यान

केप कैनावेरल (अमेरिका)/एपी। एक अंतरिक्ष यान सोमवार को उस क्षुद्रग्रह की ओर रवाना हुआ, जिसे एक परीक्षण अभियान के तहत अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने निशाना बनाया था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का 'हेरा' अंतरिक्ष यान छोटे और क्षुद्रग्रह की ओर दो साल की यात्रा पर रवाना हुआ। इसका मकसद उस दिन के मद्देनजर तैयार रहना है, जब कोई अंतरिक्ष चट्टान धरती की ओर आ सकती है। केप कैनावेरल से 'स्पेसएक्स' द्वारा प्रक्षेपित यह अभियान ग्रह रक्षा परीक्षण का दूसरा भाग है, जो किसी दिन पृथ्वी को बचाने में मददगार साबित हो सकता है।

हज 2025 के लिए 1,22,518 हाजियों का लॉटरी के जरिए हुआ चयन

नई दिल्ली/एजेन्सी। हज 2025 के लिए सोमवार को यहां 1,22,518 हाजियों का लॉटरी के जरिए चयन हुआ। इसके लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया के ब्रांच कार्यालय में कम्प्यूटरीकृत लॉटरी निकाली गयी। इस प्रक्रिया को पहली बार लगभग 6000 से अधिक लोगों ने हज कमेटी ऑफ इंडिया की साइट पर देखा। लॉटरी का उद्घाटन हज कमेटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन ए.पी. अब्दुल्ला कुट्टी ने किया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मंत्राल के निदेशक एवं हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. लियाकत अली आफाकी ने बताया कि हज 2025 के लिए के समिति का कोटा 1,22,518 निर्धारित है, जबकि 1,51,918 सही आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से लगभग 20,000 आवेदन हज सेवा ऐप के जरिए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक 24,484 आवेदन गुजरात से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 14,728 हाजियों और 3,717 महिलाओं का चयन बिना लॉटरी के किया गया है।

यूक्रेन ने रूस के तेल टर्मिनल को बनाया निशाना

कीव/एपी। यूक्रेन की सेना ने दावा किया कि उसने क्रीमिया में रूस के अहम तेल टर्मिनल को निशाना बनाया है जहां से रूसी सेना को युद्ध में तेल की आपूर्ति की जाती है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध अहम चरण में प्रवेश कर गया है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि रूस की ''सैन्य और आर्थिक संभावनाओं पर चोट पहुंचाने के इरादे' से उसके कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप के दक्षिण में स्थित फियोदोसिया तेल टर्मिनल पर हमला किया गया क्योंकि वहां से रूसी सेना को युद्ध के लिए तेल की आपूर्ति की जा रही थी।

08-10-2024 सूर्यास्त 5:53 बजे | 09-10-2024 सूर्योदय 5:58 बजे

BSE	NSE
81,050.00	24,795.75
(-638.45)	(-218.85)

सोना	चांदी
7,953 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	101,000 रु. प्रति किलो

'विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होने तक चैन से नहीं बैठूंगा'

■ विश्व हमारे साथ जुड़ने, हमारे लोगों में निवेश करने और हमारी सफलता का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहले गुजरात और फिर केंद्र में सरकार के मुखिया के रूप में सार्वजनिक पद पर रहते हुए 23 वर्ष की अवधि पूरी करने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारतीयों को आश्वस्त किया कि वह और भी अधिक जोश के साथ अथक परिश्रम करते रहेंगे तथा तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे जब तक कि विकसित भारत का सामूहिक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता।

मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बहुत कुछ हासिल किया गया है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने 'एक्स' पर कई पोस्ट में कहा, ''सरकार के मुखिया के रूप में 23 वर्ष की अवधि पूरे होने पर मुझे आशीर्वाद और शुभकामनाएं देने वाले सभी लोगों का हार्दिक आभार। सात अक्टूबर, 2001 को मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने की जिम्मेदारी संभाली थी। यह मेरी पार्टी भाजपा की महानता थी कि उसने मुझ जैसे कार्यकर्ता को राज्य प्रशासन का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी।''

मोदी ने कहा, ''जब मैंने मुख्यमंत्री का पद संभाला था तो गुजरात कई चुनौतियों 2001 का कच्छ भूकंप, इससे पहले 'सुपर साइक्लोन', भयंकर सूखा और कई दशकों के कांग्रेस का 'कुशासन' जैसे लूट, सांप्रदायिकता और जातिवाद का सामना कर रहा था। जनशक्ति से प्रेरित होकर हमने गुजरात का पुनर्निर्माण किया और इसे प्रगति की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, यहां तक कि कृषि जैसे क्षेत्र में भी जिसके लिए राज्य को पारंपरिक रूप से नहीं जाना जाता था।'' उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके 13 वर्ष के कार्यकाल के दौरान, राज्य 'सबका साथ, सबका विकास' का एक उज्ज्वल उदाहरण बनकर उभरा, जिससे समाज के सभी वर्गों के लिए समृद्धि सुनिश्चित हुई।

मोदी ने कहा कि 2014 में भारत की जनता ने भाजपा को रिकॉर्ड बहुमत दिया जिससे वह प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने में सक्षम हुए। उन्होंने कहा, ''यह एक ऐतिहासिक क्षण था, क्योंकि 30 वर्षों में पहली बार किसी पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला था।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''पिछले एक दशक में हम अपने देश के समक्ष मौजूद अनेक चुनौतियों का समाधान करने में सफल रहे हैं। पच्चीस करोड़ से अधिक लोग गरीबी के चंगुल से बाहर निकल गये हैं। भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इससे विशेष रूप से हमारे एमएसएमई, स्टार्ट-अप क्षेत्र तथा अन्य को मदद मिली है।'' उन्होंने कहा कि मेहनतकश किसानों, नारी शक्ति, युवा शक्ति और गरीबों के साथ-साथ समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के लिए समृद्धि के नए रास्ते खुल गए हैं।

भारत और मालदीव 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' पर सहमत हुए

भारत ने मालदीव को 40 करोड़ डॉलर की सहायता दी, ढांचागत परियोजनाओं में बढ़ाएंगे सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और मालदीव ने रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने के मकसद से सोमवार को 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली को लेकर समझौता किया। साथ ही बंदरगाह, सड़क नेटवर्क, स्कूल और आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में रूपे कार्ड भी जारी किया। इसके अलावा हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल दोनों देशों के बीच रिश्तों में खटास आई थी। पांच दिन के राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत की।

मालदीव के राष्ट्रपति को चीन के प्रति नरम रुख रखने के लिए जाना जाता है और पिछले साल नवंबर में शीर्ष पद के लिए चुने जाने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए तुर्किये को चुना था।

भारत-मालदीव स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करेंगे

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और मालदीव ने अपने द्विपक्षीय सहयोग को 'समग्र आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा साझीदारी' के रूप में आगे बढ़ाने की घोषणा करने के साथ ही मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत शुरू करने और स्थानीय मुद्राओं में कारोबार करने का फैसला किया है।

दोनों पक्ष 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के लिए एक दृष्टिकोण' पर भी सहमत हुए। यह एक दस्तावेज है जो सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है। बातचीत के बाद, भारत ने मालदीव को 70 सामाजिक आवास भी सौंपे। इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात-आयात बैंक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''कुछ समय पहले हमने मालदीव में रूपे कार्ड पेश किया। आने वाले समय में हम भारत और मालदीव को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) से जोड़ने की दिशा में काम करेंगे।'' प्रधानमंत्री ने मालदीव को 40 करोड़ डॉलर की सहायता की भी घोषणा की।

हमें उम्मीद है कि मालदीव में और अधिक भारतीय पर्यटक आएंगे : मुइज्जू

नई दिल्ली/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को कहा कि भारत मालदीव के लिए सबसे बड़े पर्यटन स्रोत बाजारों में से एक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिक भारतीय पर्यटक इस द्वीपसमूह राष्ट्र का दौरा करेंगे। यहां हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद एक प्रेस वार्ता में, मुइज्जू ने यह भी कहा कि मालदीव और भारत के बीच संबंध 'सदियों पुराने हैं, जैसा कि हमारे पूरे इतिहास में स्पष्ट रहा है'। उन्होंने कहा, ''हमारे लोगों के बीच संबंध लंबे समय से भारत और मालदीव के बीच संबंधों की नींव रहे हैं। कई मालदीववासी पर्यटन, चिकित्सा उद्देश्यों, शिक्षा और कई अन्य कारणों से भारत आते हैं। साथ ही, मालदीव में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, जो मालदीव के विकास में योगदान देते हैं।''

शाह ने नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने की प्रतिबद्धता दोहरायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर दोहराया है कि सरकार वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के साथ ही मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध हैं। शाह ने सोमवार को यहां वामपंथी उग्रवाद पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना के मुख्यमंत्री, बिहार के उपमुख्यमंत्री और आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि सरकार नक्सलवाद से प्रभावित सभी राज्य के साथ मिलकर 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में देश के 8 करोड़ आदिवासी भाइयों और बहनों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सही अर्थ है कि देश की 140 करोड़ की जनता तक विकास पहुंचे, जिनमें हमारे 8 करोड़ जनजातीय भाई-बहन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विकास को सही मायनों में दूरदराज़ के इलाकों और जनजातीय लोगों तक पहुंचाने में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद है। नक्सलवाद गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, कनेक्टिविटी, बैंकिंग और डाक सेवाएं आदि नहीं पहुंचने देता। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाने के लिए हमें नक्सलवाद को समूल नष्ट करना होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2019 से 2024 तक नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि , केन्द्र और राज्य सरकारों के साझा प्रयासों से वामपंथी अंधकार की जगह संविधान प्रदत्त अधिकारों को जगह देना और वामपंथी हिंसक विचारधारा की जगह विकास और विश्वास का एक नया युग शुरू करना चाहते हैं। हम वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस और सरकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत अमल से प्रभावित क्षेत्रों को पूर्ण विकसित बनाना चाहते हैं।

'नौकरी के बदले जमीन' मामले में लालू प्रसाद, तेजस्वी, तेज प्रताप की जमानत अर्जी मंजूर

नई दिल्ली/एजेन्सी। जमीन लेकर रेलवे की नौकरी देने के अभियोग का सामना कर रहे पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके बेटों तेजस्वी तथा तेज प्रताप यादव की जमानत की अर्जी को यहां धन शोधन मामलों की सुनवाई करने वाली राउज एवेन्यू स्थित अदालत ने सोमवार को कुछ शर्तों के आधार पर स्वीकार कर लिया। मामले में आरोपियों की अर्जी की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपियों को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर यह राहत दी।

'ऑल्ट-न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ गाजियाबाद में प्राथमिकी दर्ज : पुलिस

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। विवादों में रहने वाले महंत यति नरसिंहानंद के एक सहयोगी की शिकायत के बाद, धार्मिक समूहों के बीच कथित तौर पर वैमनस्य को बढ़ावा देने और अन्य अपराधों को लेकर 'ऑल्ट न्यूज' के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर के खिलाफ यहां एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपनी कथित टिप्पणियों को लेकर नरसिंहानंद कई प्राथमिकियों और मुस्लिम समूहों के विरोध-प्रदर्शन का सामना कर रहे हैं।

यति नरसिंहानंद सरस्वती फाउंडेशन की महासचिव उदिता त्यागी ने कविनगर पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जुबैर ने तीन अक्टूबर को नरसिंहानंद के एक पुराने कार्यक्रम की वीडियो क्लिप पोस्ट की, ताकि मुसलमानों को उनके खिलाफ हिंसा भड़काने के लिए उकसाया जा सके।

हथियार बनाने में उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल जरूरी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि युद्धों में निरंतर नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को देखते हुए भारतीय रक्षा उद्योग को भी हथियारों को बनाने में गैर पारंपरिक और दोहरे इस्तेमाल तथा असैन्य प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल की दिशा में कदम उठाने होंगे।

सिंह ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कुछ देशों के बीच चल रहे युद्धों का उल्लेख करते हुए कहा कि समय की जरूरत है कि भारत भी किसी से पीछे न रहे। उन्होंने कहा , आज हम तरह-तरह के युद्धों, और युद्धों की संभावनाओं के बीच जी रहे हैं । इन युद्धों में लगातार नई-नई प्रौद्योगिकी का समावेश हुए चला जा रहा है। इनमें न सिर्फ पारंपरिक हथियारों और गोला बारूद का इस्तेमाल हो रहा है, बल्कि कई प्रकार के दोहरे इस्तेमाल या असैन्य वस्तुओं तथा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्हें वैपनाइज किया जा रहा है। ऐसे में हमें इस प्रकार की प्रौद्योगिकी को गहराई से समझना होगा। हमें देखना होगा, कि किस प्रकार से इन प्रौद्योगिकियों का कल्पना के आधार पर इस्तेमाल हम अपनी रक्षा के लिए कर सकते हैं। मैं यहां, सिर्फ दूसरे युद्ध ग्रसित पक्षों के अनुप्रयोगों की नकल की बात नहीं कर रहा हूं। मैं इससे आगे बढ़ते हुए, उन प्रणालियों या ऐप की ओर आपका ध्यान ले जाना चाहूंगा, जो बिल्कुल नई हों, और सिर्फ हमारी हों। उन्होंने कहा कि हमें आई डैक्स और इस तरह की योजनाओं तथा चुनौतियों के समाधान से आगे बढ़ते हुए, ऐसी प्रौद्योगिकी ऐसे नवाचार ले आएँ जो अब तक की जरूरतों से भी कहीं आगे की चीज़ हों, और वे हमारी जरूरत बन जाए।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए सभी हितधारकों के सहयोग का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा , आत्मनिर्भरता जैसा बड़ा काम केवल अकेले सरकार अपने दम पर नहीं कर सकती। बल्कि इसके लिए हमें इससे जुड़े हुए सभी हितधारकों का साथ जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभी सभी हितधारक सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चले हैं और उन्हें विश्वास है कि यह संबंध आगे और मजबूत होगा तथा भारत में रक्षा इकोसिस्टम सबसे मजबूत तथा आधुनिक बनेगा।

इजराइल में हमास के हमले का एक साल पूरा, कई कार्यक्रमों का आयोजन, युद्ध जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। इजराइल के इतिहास में सबसे घातक, हमास के सात अक्टूबर को किए हमले के एक साल पूरे होने पर सोमवार को देशवासी रैली निकाल रहे हैं और शोक समारोह आयोजित कर रहे हैं। इस हमले ने गाजा में युद्ध को जन्म दिया और इजराइलियों को कभी न भूलने वाला घाव दे दिया। एक प्रमुख यहूदी अवकाश वाले दिन सीमा पार से किए गए इस हमले ने इजराइलियों के सुरक्षित होने के भरम को तोड़ दिया और नेताओं तथा सेना में उनके विश्वास को हिला कर रख दिया।

इस हमले की गूंज एक साल बाद भी सुनायी दे रही है। गाजा में युद्ध आक्रामक हो गया है, इजराइल हिजबुल्ला के खिलाफ एक नया युद्ध लड़ रहा है और ईरान के साथ संघर्ष गहरा रहा है जिससे इस क्षेत्र के और खतरनाक संघर्ष की ओर बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।

युद्ध की तबाही झेल रहे गाजा में कोई औपचारिक स्मारक कार्यक्रम की योजना नहीं है। इजराइलियों के सैकड़ों मृतकों, आतंकवादियों के कब्जे में कई बंधकों और उन्हें बचाने के लिए मारे गए या घायल हुए सैनिकों की याद में देशभर में समारोहों, कब्रिस्तानों और स्मारक स्थलों पर लोगों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

एक साल पहले आज ही के दिन सुबह ठीक साढ़े छह बजे जब हमास ने हमला शुरू किया था तो नोवा संगीत महोत्सव में मारे गए लोगों के परिवारजन उस स्थल पर एकत्रित हुए जहां करीब 400 लोगों को गोली मार दी गयी थी और कई अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था।

हम जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तट पर अभियान शुरू करेंगे : इजराइली सेना

इजराइल की सेना ने कहा है कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तट पर अभियान शुरू करेगी। उसने भूमध्य सागर के 60 किलोमीटर क्षेत्र में निवासियों तथा मछुआरों को समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी दी है। सेना के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस तरह का अभियान चलाया जाएगा।

नीट-यूजी 2024 के लीक प्रश्नपत्र पाने के लिए 144 अभ्यर्थियों ने रकम अदा की थी : सीबीआई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 144 अभ्यर्थियों की पहचान की है जिन्होंने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने से कुछ घंटे पहले नीट-यूजी के लीक और हल प्रश्नपत्र पाने के लिए कथित तौर पर पैसे दिए थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने पिछले सप्ताह दाखिल अपने तीसरे आरोप पत्र में पंकज कुमार का नाम दर्ज किया है जिसने झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्राचार्य अहसानुल हक और उप प्राचार्य मोहम्मद इम्तियाज आलम के साथ मिलीभगत करके स्कूल से प्रश्नपत्र चुराए थे। उन्होंने बताया कि अपराध कथित रूप से उस समय किया गया जब बैंक वॉल्ट से प्रश्नपत्र लेकर ट्रंक पांच मई को सुबह आठ बजे के बाद स्कूल पहुंचे थे जिस दिन परीक्षा होनी थी। हक हजारीबाग के शहर समन्वयक थे और आलम को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा- स्नातक (नीट यूजी) 2024 आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा केंद्र अधीक्षक नियुक्त किया गया था।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

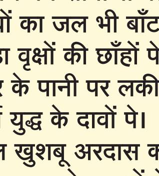

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या-क्या बाँटोगे

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

यमुना नदी में सितंबर में जलमल प्रदूषण उच्चतम स्तर पर रहा : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सितंबर माह में यमुना नदी में जलमल प्रदूषण अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह जानकारी एक हालिया रिपोर्ट में सामने आई।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, 'फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया' का स्तर – अशोधित जलमल का एक प्रमुख संकेतक – प्रति 100 मिलीलीटर में 4,900,000 सर्वाधिक संभावित संख्या (एमपीएन) तक बढ़ गया, जो 2,500 इकाई के मानक से 1,960 गुना और 500 इकाई की वांछित सीमा से 9,800 गुना अधिक है।

रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह फरवरी 2022 के बाद से दर्ज किया गया उच्चतम स्तर है, जब आगरा कैनाल स्टेशन द्वारा मापा गया, 'फीकल कोलीफॉर्म' का स्तर 6,300,000 यूनिट था।

इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि मानसून की बारिश से जल प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, 'फीकल कोलीफॉर्म' के लिए प्रदूषण संकेतक 'चिंताजनक रूप से' उच्च बना रहा। बारिश से घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) और जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) के स्तर में थोड़ा सुधार हुआ। डीओ पानी में घुली ऑक्सीजन को मापता है, जबकि बीओडी कार्बनिक पदार्थों को तोड़ने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा को संदर्भित करता है।

भारत मौसम विभाग के अनुसार, 2024 के मानसून मौसम के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 1,030 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि जैसे-जैसे नदी शहर से होकर बहती है, प्रदूषण का स्तर बढ़ता जाता है।

कांग्रेस जीती तो कौन बनेगा हरियाणा का मुख्यमंत्री, हुड्डा, सैलजा या फिर कोई छुपा रुस्तम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा से एक दिन पहले इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि कांग्रेस की जीत की स्थिति में मुख्यमंत्री कौन बनेगा। हालांकि, इस पद के दोनों प्रमुख दावेदारों भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा ने सोमवार को स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला आलाकमान को करना है। हुड्डा और सैलजा ने यह भी कहा कि कांग्रेस आलाकमान का फैसला उन्हें मंजूर होगा।

लगभग सभी एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत का अनुमान जताए जाने के बाद और मतगणना से एक दिन पहले ये दोनों नेता मीडिया से मुखातिब हुए और मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी सीधी दावेदारी पेश करने से बचते हुए गेंद आलाकमान के पाले में डालने की कोशिश की। पूर्व मुख्यमंत्री 77 वर्षीय हुड्डा ने फिर कहा कि वह न तो 'टायर्ड' (थके) हैं और न ही 'रिटायर्ड' (सेवानिवृत्त) हैं। हुड्डा ने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस आलाकमान के फैसले को पार्टी के सभी नेता मानेंगे।

कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा से एक दिन पहले सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए दावा कोई भी कर सकता है, लेकिन इसका फैसला आखिरकार पार्टी आलाकमान को ही करना है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस आलाकमान पार्टी के हित को भी ध्यान में रखते हुए फैसला करेगा

और यह निर्णय सबको स्वीकार्य होगा। वैसे, सैलजा (62) पिछले दिनों मुख्यमंत्री पद के लिए दावा पेश कर चुकी हैं।

हुड्डा और सैलजा के साथ ही कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला भी कुछ हफ्ते पहले तक मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल थे, लेकिन अब चर्चा हुड्डा और सैलजा के इर्द-गिर्द ही सिमट कर रह गई है। कांग्रेस आलाकमान के लिए हुड्डा और सैलजा में से किसी एक को चुनना बड़ी चुनौती होगी, क्योंकि दोनों के साथ अपने-अपने राजनीतिक समीकरण और दूरगामी निहितार्थ जुड़े हैं। जाट समुदाय से आने वाले हुड्डा हरियाणा में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता के रूप में देखे जाते हैं। संगठन, कार्यकर्ताओं से जुड़ाव, लोकप्रियता, प्रशासनिक अनुभव और राजस्थान एवं हरियाणा में जाट समुदाय का कांग्रेस के प्रति झुकाव, कुछ ऐसे फैक्टर हैं, जो हुड्डा की दावेदारी को प्रबल बनाते हैं।

दूसरी तरफ, लोकसभा चुनाव में दलित समुदाय के एक बड़े हिस्से का कांग्रेस को समर्थन, राहुल गांधी द्वारा सामाजिक न्याय एवं संविधान के प्रति बार-बार प्रतिबद्धता जताना, दलित महिला को मुख्यमंत्री बनाने के राष्ट्रव्यापी संदेश, कुछ ऐसे कारक हैं, जो सैलजा की दावेदारी को पुख्ता बनाते हैं।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर पेंच फंसने पर अतीत में कई बार ऐसा भी देखा गया कि कोई छुपा रुस्तम सामने आ गया। हाल-फिलहाल में यह पंजाब में देखा गया था, जब पार्टी ने तीन साल पहले दलित नेता चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान के मनमाफिक फैसले के लिए यह भी जरूरी है कि कांग्रेस को प्रचंड बहुमत मिले, क्योंकि पार्टी को साधारण बहुमत मिलता है, तो फिर हुड्डा का पलड़ा भारी हो सकता है, क्योंकि उम्मीदवारों में उनके समर्थकों की संख्या अधिक मानी जाती है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे मंगलवार को घोषित होंगे। मतदान पांच अक्टूबर को हुआ था।

मतदान के बाद आए लगभग सभी एग्जिट पोल ने इस चुनाव में कांग्रेस की जीत की संभावना जताई है।

कच्चे तेल की कीमतों पर भारत की नजर, चुनौतियों से निपटने को लेकर आश्वस्त: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के साथ, भारत स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और किसी भी चुनौती से निपटने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें लगभग 70 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई हैं।

पुरी ने यहां एक्सॉनमोबिल ग्लोबल आउटलुक 2024 में कहा, ''हम स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है तो ऊर्जा उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। लेकिन अभी आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई है और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक देश भारत किसी भी स्थिति से निपटने को

लेकर पूरी तरह आश्वस्त है।'' पुरी ने कहा कि तेल की कोई कमी नहीं है और भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने को लेकर आश्वस्त है। ईरान के मिसाइल हमले के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इजराइल ईरान में तेल प्रतिष्ठानों या परमाणु संयंत्रों को निशाना बना सकता है। दूसरी तरफ ईरान, इजराइल पर सीधा हमला करके या फिर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल पारगमन केंद्र... होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करके जवाब देने का विकल्प चुन सकता है। इससे तेल की कीमतें और बढ़ जाएंगी।

ओमान और ईरान के बीच स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। वैश्विक तेल का पांचवां हिस्सा जलडमरूमध्य से गुजरता है। सभी प्रमुख तेल उत्पादकों – सऊदी अरब, इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात से तेल इस रास्ते निर्यात किया जाता है। केवल सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास परिचालन पाइपलाइन है जिस पर होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावित होने से असर नहीं होगा। तेल के दाम में कटौती की संभावना के बारे में पूछे जाने पर पुरी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल का मूल्य बाजार आधारित है और पेट्रोलियम कंपनियां मूल्य निर्धारण संबंधी निर्णय लेती हैं। उन्होंने कहा, ''यह मनाइये कि स्थिति बिगड़े नहीं। हम स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रख रहे हैं।''

कुछ समय पहले तक पेट्रोल और डीजल के दाम में कटौती की उम्मीद थी। हालांकि, हाल में दाम में वृद्धि से इस पर लगाम लग गया है।

पिछले सप्ताह के उछाल से पहले रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा था कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो-तीन रुपए प्रति लीटर की कटौती की गुंजाइश है।

किन्नौर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चीन के संदिग्ध ड्रोन देखे गए: हिमाचल सरकार मंत्री

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में भारत-चीन सीमा पर ड्रोन देखे गए हैं और इनका इस्तेमाल निगरानी और जासूसी के मकसद से किए जाने की आशंका है। राज्य के मंत्री जगत सिंह नेगी ने सोमवार को यह बात कही। हिमाचल प्रदेश के राजस्व और उद्यानिकी मंत्री नेगी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जिले के पू प्रखंड में शिपकी ला और रिषी डोगरी गांवों में ड्रोन की गतिविधियां देखी गईं।

किन्नौर विधानसभा से विधायक नेगी ने कहा, ''पिछले सप्ताह में सीमावर्ती क्षेत्र के पास लगातार उड़ान भर रहे कई ड्रोन देखे गए हैं और कई लोगों ने मुझे इस तरह की सूचनाएं दी हैं।'' उन्होंने कहा, ''वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) तक सड़क निर्माण शिपकी ला और रिषी डोगरी दोनों गांवों में प्रगति पर है और इन ड्रोनों से निगरानी तथा जासूसी की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता।'' नेगी ने दावा किया कि पुलिस और सेना के जवानों ने भी ड्रोन देखे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि मामले का संज्ञान लें और जरूरी दिशानिर्देश जारी करें। किन्नौर और लाहौल स्पीति आदिवासी जिले चीन के साथ 240 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं।

जम्मू कश्मीर में सरकार गठन टालने का रशीद का सुझाव भाजपा के हाथों में खेलना है : अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि राज्य का दर्जा बहाल होने तक जम्मू कश्मीर में सरकार गठन को टालने का लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद का सुझाव भाजपा के हाथों में खेलना है, जो जम्मू कश्मीर में केंद्र का शासन बढ़ाना चाहती है।

अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर लिखा, ''वह आदमी 24 घंटे के लिए दिल्ली जाता है और वापस आकर सीधे भाजपा के हाथों में खेलता है। यदि भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है, तो वह जम्मू कश्मीर में केंद्रीय शासन को बढ़ाने के अलावा और कुछ नहीं चाहेगी।'' वह राशिद की उस अपील पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने सभी गैर-भाजपा दलों से सरकार गठन में देरी करने की गुजारिश की थी। यह अपील राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए

केंद्र पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर की गई थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के इस बयान पर कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जरूरत पड़ने पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन लेगी, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह सब समय से पहले की अटकलें हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''उन्होंने समर्थन नहीं दिया है, उन्होंने समर्थन की पेशकश नहीं की है और हम अभी तक नहीं जानते कि मतदाताओं ने क्या निर्णय लिया है, इसलिए मैं वास्तव में चाहता हूं कि हम अगले 24 घंटे के लिए इन सभी समयपूर्व अटकलों पर रोक लगा दें।''

कोयला क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू होंगी नई परियोजनाएं: कोयला मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को देश को कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई परियोजनाएं शुरू करने पर जोर दिया। उन्होंने साथ ही मौजूदा खनन कार्यों को बढ़ाने की बात भी कही। रेड्डी ने कहा कि देश की जीवाश्म ईंधन जरूरत को पूरा करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सभी अनुषंगी कंपनियों को अपने वार्षिक लक्ष्य हासिल करने चाहिए।

कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि उन्होंने इन प्रयासों को बढ़ाने में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण और वन मंजूरी में सहायता सहित सरकार के पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। रेड्डी ने कंपनी के प्रदर्शन की समीक्षा करने के लिए नागपुर में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई वेस्टर्न कोलफील्ड लि. (डब्ल्यूसीएल) के मुख्यालय का दौरा किया।

गुजरात में कच्छ तट के पास से 120 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद

गांधीधाम (गुजरात)/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में गांधीधाम शहर के निकट एक खाड़ी क्षेत्र से 12 किलोग्राम कोकीन से भरे दस लावारिस पैकेट बरामद किए गए हैं, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 120 करोड़ रुपए आंकी गई है। कच्छ-पूर्व संभाग के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्करों ने संभवत: पकड़े जाने से बचने के लिए खाड़ी के पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ छिपाया होगा। उन्होंने बताया कि एक साल में इसी खाड़ी क्षेत्र से मादक पदार्थ की यह तीसरी बड़ी बरामदगी है।

बागमार ने कहा, ''एक विशेष सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार रात खाड़ी के पास के इलाके की तलाशी ली और 120 करोड़ रुपए मूल्य के कोकीन से भरे 10 लावारिस पैकेट बरामद किए। तस्करों ने पकड़े जाने से बचने के लिए शायद इसे वहां छिपा दिया था।'' उन्होंने कहा कि आगे की जांच की जा रही है। इस साल जून में, आतंकवाद रोधी दस्ते और स्थानीय पुलिस के एक संयुक्त दल ने उसी क्षेत्र से कोकीन के 13 लावारिस पैकेट बरामद किए थे, जिसकी कीमत 130 करोड़ रुपए आंकी गई थी। पिछले साल सितंबर में, कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के 80 पैकेट बरामद किए थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन एक किलोग्राम था और कुल मिलाकर इसकी कीमत 800 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

अफ्रीकी हाथी को लेकर चिंताओं के बीच वैश्विक संगठन ने दिल्ली के चिड़ियाघर की सदस्यता निलंबित की

नई दिल्ली/भाषा। चिड़ियाघरों और मछलीघरों के एक वैश्विक संगठन ने एक अफ्रीकी हाथी 'शंकर' को कथित तौर पर जंजीरों में बांधकर रखे जाने को लेकर सोमवार को दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान की सदस्यता निलंबित कर दी।

दिल्ली चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार ने कहा कि निलंबिन की कार्रवाई पर जवाब दिया जाएगा। जिब्बाब्वे ने 1996 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा को यह हाथी उपहार में दिया था। इसे भारत लाया गया और दिल्ली के चिड़ियाघर में रखा गया। अपने साथी अफ्रीकी हाथी 'बंबई' की 2005 में मौत के बाद से शंकर अकेला है। कुमार और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अधीन केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को लिखे पत्र में 'वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ जू एंड एक्वेरियम्स' (वाजा) ने कहा कि पहले उसने हाथी के कल्याण के संबंध में उनसे जानकारी मांगी थी और जवाब 24 मई तथा 24 जुलाई को मिले। इस पत्र की एक प्रति 'पीटीआई' को भी उपलब्ध हुई है जिसमें लिखा गया है, ''इस मामले की गहन पड़ताल के बाद वाजा परिषद ने राष्ट्रीय प्राणि उद्यान, नई दिल्ली की वाजा की सदस्यता तत्काल निलंबित करने के पक्ष में मतदान किया है।''

वाजा ने कहा कि निलंबन हटाने के लिए चिड़ियाघर को छह महीने के अंदर या तो शंकर को किसी नई जगह भेजने या उसकी देखभाल को लेकर सभी चिंताओं पर व्यापक रूप से ध्यान देने के लिए योजना बनानी होगी। उसने कहा कि इस योजना पर वाजा की मंजूरी लेना जरूरी होगा और शंकर की स्थिति में अहम सुधार दिखना चाहिए।

एनजीएलवी विकास मॉडल की घोषणा जल्द की जाएगी: इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने सोमवार को कहा कि अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) के विकास मॉडल की घोषणा जल्द ही की जाएगी और इससे डिजाइन के आरंभ में ही उद्योगों को अंतरिक्ष क्षेत्र में आने का बड़ा अवसर मिलेगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले महीने एनजीएलवी के विकास को मंजूरी दी थी। यह भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और संचालन के साथ-साथ 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय चालक दल के उतरने की क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। एनजीएलवी का उल्लेख करते हुए सोमनाथ ने सोमवार को कहा कि इसरो इसके विकास में सहयोग करेगा, लेकिन उत्पादन और प्रक्षेपण का काम शुरुआत में ही उद्योग जगत को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनजीएलवी को विकसित करने के बारे में घोषणा

जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि डिजाइन की शुरुआत में ही उद्योगों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में आने का यह एक बड़ा अवसर होगा।

गत 18 सितंबर को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि एनजीएलवी विकास परियोजना का क्रियान्वयन भारतीय उद्योग की अधिकतम भागीदारी से किया जाएगा, जिसके द्वारा शुरुआत में ही विनिर्माण क्षमता में निवेश किए जाने की भी उम्मीद है। केंद्र सरकार द्वारा 2023 में घोषित अंतरिक्ष नीति में अंतरिक्ष में निजी उद्योगों की सहभागिता बढ़ाने का लक्ष्य है। यहां फ्रेंच एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (जीआईएफएएस) द्वारा आयोजित सम्मेलन में सोमनाथ ने कहा कि फ्रांस के एरियन रॉकेट द्वारा 20 से अधिक उपग्रहों को प्रक्षेपित किया गया है।

आरबीआई, मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण ने मुद्रा अदला-बदली समझौता किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने सार्क मुद्रा अदला-बदली ढांचा 2024-27 के तहत मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण (एमएमए) के साथ मुद्रा अदला-बदली करार किया है। समझौते के तहत एमएमए अमेरिकी डॉलर/ यूरो अदला-बदली व्यवस्था के तहत आरबीआई से 40 करोड़ डॉलर तक की वित्तपोषण सहायता ले सकता है। इसके अलावा भारतीय रुपया अदला-बदली व्यवस्था के तहत 30 अरब रुपए (3,000 करोड़ रुपए) तक की सहायता भी ली जा सकती है। आरबीआई ने कहा कि यह समझौता 18 जून, 2027 तक वैध रहेगा। सार्क मुद्रा अदला-बदली ढांचा 15 नवंबर, 2012 को लागू हुआ था। इसका मकसद अल्पकालिक विदेशी मुद्रा नकदी आवश्यकताओं या अल्पकालिक भुगतान संतुलन दबाव के लिए वित्तपोषण की सुविधा देना है।

अमेजन ने एमएक्स प्लेयर ऐप का अधिग्रहण किया, मिनीटीवी के साथ मिलाकर किया पेश

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन ने सोमवार को कहा कि उसने मुफ्त स्ट्रीमिंग ओटीटी मंच एमएक्स प्लेयर का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि उसने अपनी कंटेंट स्ट्रीमिंग सेवा मिनीटीवी के साथ एमएक्स प्लेयर को मिलाकर 'अमेजन एमएक्स प्लेयर' पेश किया है। अमेजन ने अधिग्रहण के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया। इस विलय का मकसद प्रीमियम स्तर के मुक्त मनोरंजन को बड़े दर्शकों तक पहुंचाना है।

बयान में कहा गया, ''अमेजन ने हाल में एमएक्स प्लेयर की कुछ संपत्तियों का अधिग्रहण किया है, जिसमें भारत में एक प्रमुख मुफ्त स्ट्रीमिंग ओटीटी सेवा एमएक्स प्लेयर ऐप भी शामिल है।'' बयान के मुताबिक इस अधिग्रहण के साथ, अमेजन इंडिया की दो सबसे लोकप्रिय मुफ्त सेवाओं – एमएक्स प्लेयर और अमेजन मिनीटीवी को एक सेवा – अमेजन एमएक्स प्लेयर में मिलाया गया है। यह सेवा मोबाइल पर ऐप, अमेजन डॉट इन शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, फायर टीवी और कनेक्टेड टीवी के जरिये उपलब्ध है। बयान के मुताबिक अमेजन मिनीटीवी और एमएक्स प्लेयर का अमेजन एमएक्स प्लेयर ऐप में एकीकरण अपने आप हो जाएगा।

अधिकारी जब तक शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात का समय नहीं बताते हम लद्दाख भवन में डटे रहेंगे : वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सोमवार को कहा कि वह और उनके समर्थक तब तक लद्दाख भवन में रहेंगे जब तक अधिकारी यह नहीं बता देते कि कब वे देश के शीर्ष नेतृत्व से मिल सकते हैं।

वांगचुक ने कहा कि प्रदर्शनकारी लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं और यह असामान्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वे यहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)को यह याद दिलाने आए हैं जिसका वादा उसने चुनाव के दौरान किया था। मौजूदा समय में छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों को ''स्वायत्त जिलों और स्वायत्त क्षेत्रों'' के रूप में प्रशासन से संबंधित है। वांगचुक और उनके समर्थकों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलने पर रविवार को लद्दाख भवन में ही अपना अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया। वांगचुक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम तब तक यहां बैठेंगे जब तक हमें जवाब नहीं मिल जाता कि हम अपने नेताओं से कब मिल पाएंगे। हमने 30-32 दिन तक पैदल यात्रा की है, हम कम से कम एक मुलाकात के तो हकदार हैं।''

जलवायु कार्यकर्ता ने कहा कि लद्दाख के लोगों ने इसे केंद्र शासित प्रदेश बनाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया था क्योंकि उन्हें विधानसभा और छठी अनुसूची में शामिल करने का वादा किया गया था। उन्होंने कहा, '' हम कोई असामान्य मांग नहीं कर रहे हैं, हम यहां भाजपा को उसके घोषणापत्र में किए गए वादों की याद दिलाने आए हैं।'' वांगचुक और उनके समर्थक अपनी मांग को लेकर लेह से दिल्ली तक पैदल चलते हुए पहुंचे और 30 सितंबर को राजधानी की सिंघू सीमा पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। 'दिल्ली चलो पदयात्रा' का नेतृत्व लेह एपेक्स बॉडी द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने दो अक्टूबर की रात रिहा कर दिया था। रविवार को वांगचुक शाम करीब चार बजे लद्दाख भवन से बाहर निकले और घोषणा की कि वह अनशन पर बैठने जा रहे हैं।

सरकार 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं, 50 खाद्य विकिरण केंद्र स्थापित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि सरकार प्रसंस्करण स्तर को बढ़ावा देने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों के तहत 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं और 50 खाद्य विकिरण केंद्र बनाएगी।

मंत्री ने उद्योग से उत्पादों की गुणवत्ता से समझौता न करने को कहा क्योंकि इससे न केवल ब्रांड बल्कि देश की छवि भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उत्पाद नियामकों द्वारा निर्धारित मानक मानदंडों को पूरा करते हों।

मंत्री ने उद्योग को आश्वासन दिया कि वह खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास को प्रभावित करने वाले किसी भी मामले और चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

उद्योग मंडल फिक्की के सेमिनार को संबोधित करते हुए पासवान ने बर्बादी को कम करने और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री ने उद्योग जगत के कारोबारियों से भारत को वैश्विक खाद्य केन्द्र (फूड बास्केट) बनाने का भी आह्वान किया।

पासवान ने कहा, ''भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होना चाहिए। भारतीय खाद्य मानकों को वैश्विक मानकों के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।''

पासवान ने कहा कि प्रसंस्करण स्तर को बढ़ावा देने के लिए 50 से अधिक खाद्य विकिरण इकाइयां स्थापित की जाएंगी।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयां स्थापित करने के लिए संभावित उद्यमियों से पहले ही रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए हैं।

ये इकाइयां मंत्रालय के समर्थन से प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के एक घटक, एकीकृत शीत भंडारण शृंखला और मूल्य संवर्धन अवसंरचना (कोल्ड चेन योजना) के तहत स्थापित की जाएंगी।

मांग-संचालित कोल्ड चेन योजना के तहत पात्र परियोजनाओं को अनुदान-सब्सिडी के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

पासवान ने कहा कि खाद्य उद्योग, कुछ वस्तुओं पर जीएसटी में कमी की मांग कर रहा है और उन्होंने इस मुद्दे को सही मंच पर उठाया है।

सरकार की प्रशासनिक चूक से खराब हुआ ऐतिहासिक एयर शो : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि गत रविवार को चेन्नई के मरीना बीच पर भारतीय वायुसेना का हवाई पराक्रम, जिसे 15 लाख लोगों ने देखा, आकाश में एक चमत्कार था, लेकिन तमिलनाडु सरकार की प्रशासनिक अक्षमता ने इसे जमीनी स्तर पर आपदा में बदल दिया, जिससे लाखों लोगों की आलोचना का सामना सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि चेन्नई मरीना एयर शो त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है, जिसमें तमिलनाडु सरकार की अक्षमता के कारण पांच लोगों की जान चली गई और कई अन्य लोग पीड़ित हैं। 15 लाख से अधिक लोगों को आकर्षित करने वाले इस कार्यक्रम में खराब योजना, अपर्याप्त सुविधाएं और तैयारियों की कमी थी। केंद्र सरकार की पूर्व चेतावनियों के बावजूद, पानी, भोजन और छाया जैसी बुनियादी सुविधाएं दुर्लभ थीं, जिससे व्यापक पीड़ा हुई।

प्रसाद ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और प्रशासनिक चूक के लिए लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए, जिसके कारण भारतीय वायुसेना के चेन्नई मरीना एयर शो के दौरान व्यापक रूप से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जिसने विश्व रिकॉर्ड बनाया और तमिलनाडु और उसके लोगों को गौरव दिलाया। घटना को कमतर आंकने के प्रयासों के बावजूद, केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ समन्वय करने में राज्य सरकार की विफलता, जिसके परिणामस्वरूप अपर्याप्त सुविधाएं और खराब योजना बनी, को स्वीकार किया जाना चाहिए। इस दुर्घटना में उनकी भूमिका के लिए मुख्य सचिव और गृह सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए, और सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जाए।

कार्यक्रम के दौरान भीषण गर्मी ने लोगों को बुरी तरह प्रभावित किया, 250 से ज़्यादा लोग बेहोश हो गए और 63 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। प्रत्यक्षदर्शियों ने अफरा-तफरी का माहौल बताया, जिसमें पुलिस और युवा मिलकर बेहोश लोगों को एंबुलेंस में ले जाने का काम कर रहे थे। आपातकालीन सेवाओं की कमी और खराब एंबुलेंस प्रबंधन ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया। तमिलनाडु के मंत्री मा. सुब्रमण्यम के स्पष्टीकरण ने राज्य सरकार की प्रशासनिक अक्षमता को ही उजागर किया है। आलोचकों ने सवाल उठाया है कि द्रमुक सरकार ने कॉरपोरेट हितों और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के प्रचार के लिए फॉर्मूला 4 कार रेसिंग इवेंट को प्राथमिकता क्यों दी, जबकि सार्वजनिक हित के लिए आयोजित एयर शो की उपेक्षा की। सरकार को इस पराजय से सबक लेना चाहिए और लोगों की ज़रूरतों और अधिकारों को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अब समय आ गया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री नैतिक ज़िम्मेदारी लें और लोगों से माफ़ी मांगें। इस पराजय के लिए ज़िम्मेदार मुख्य सचिव, गृह सचिव और अन्य अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस अफरा-तफरी के बीच, दयालु युवाओं ने मोर्चा संभाला, बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की मदद की और महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को बचाया। इन युवा नायकों ने एक बड़ी त्रासदी को टाला, और समुदाय की लचीलापन और करुणा का परिचय दिया।

तमिलनाडु सरकार, चेन्नई मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन, चेन्नई मेट्रो रेल और दक्षिणी रेलवे के बीच समन्वय की कमी के कारण परिवहन व्यवस्था अपर्याप्त हो गई। लाखों लोग फंसे रह गए, वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए और सुरक्षित तरीके से बाहर नहीं निकल पाए। एयर शो की सफलता सरकारी उदासीनता के कारण धूमिल हुई। कल्लाकुरिची की घटना से लेकर एयर शो तक, तमिलनाडु सरकार की आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक मशीनरी लगातार विफल रही है।

भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए सरकार को प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। लोग बेहतर के हकदार हैं, और अब समय आ गया है कि सरकार जिम्मेदारी ले। चेन्नई मरीना एयर शो त्रासदी सरकार की विफलताओं की एक कठोर याद दिलाती है। अब समय आ गया है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जागें और लोगों की ज़रूरतों और अधिकारों को प्राथमिकता देते हुए सुधारात्मक कार्रवाई करें।

अशोक लेलैंड ने बिलियन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड ने सोमवार को बिलियन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (ग्रुप बिलियनई की सदस्य) को इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति शुरू की। एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अशोक लेलैंड को ग्रुप बिलियनई से 180 इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति करने का ठेका मिला है, जिन्हें चेन्नई-बेंगलूरु, चेन्नई-विजयवाड़ा मार्गों पर चलाया जाएगा।

अशोक लेलैंड के कॉरपोरेट कार्यालय में यहां आयोजित समारोह में एवीटीआर 55 टन, बॉस 19 टन और बॉस 14 टन इलेक्ट्रिक ट्रक की पहली खेप को अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल, बिलियन ई-मोबिलिटी के संस्थापक और सीईओ कार्तिकेय हरियाणी ने हरी झंडी दिखाई। अग्रवाल ने कहा, ''अशोक लेलैंड को बिलियनई ग्रुप के साथ अपनी साझेदारी पर गर्व है, और हम अपने एवीटीआर 55 टन इलेक्ट्रिक और बॉस आईसीवी इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति शुरू कर रहे हैं।''

अशोक लेलैंड के अधिकारियों ने बिलियन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से मिले ठेके की कीमत पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह लगभग 150 करोड़ रुपये होगा।

वायुसेना के एयर शो के बाद पांच लोगों की मौत गर्मी के कारण हुई : स्वास्थ्य मंत्री

चेन्नई। तमिलनाडु में मरीना बीच पर भारतीय वायुसेना के एयर शो के बाद पांच लोगों की मौत गर्मी के कारण हुई थी और सभी को मृत अवस्था में सरकारी अस्पतालों में लाया गया था। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने सोमवार को यह दावा किया। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने राजनीतिक दलों और मीडिया से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की। सुब्रमणियन ने बताया कि मरीना बीच के निकट स्थित सरकारी अस्पतालों में भर्ती लगभग 100 लोगों में से सात लोग उपचाराधीन है और 93 लोगों का बाह्य रोगी के रूप में इलाज किया गया तथा पांच लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में उपचाराधीन लोगों की हालत स्थिर है। मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम मौतों से इनकार नहीं करते, ये सभी मौतें गर्मी की वजह से हुई हैं, क्योंकि लोग सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक तेज धूप में रहे। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि हमने भारतीय वायुसेना के 92वें स्थापना दिवस के जश्न के लिए 15 लाख लोगों के लिए व्यवस्था की थी और यहां तक ङ्ङकि वायुसेना ने जो कहा था, उससे भी ज्यादा की व्यवस्था की थी। उन्होंने बताया कि दो घंटे के एयर शो (सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक) का समय भारतीय वायुसेना द्वारा मौसम की स्थिति के आधार पर तय किया गया था और वायुसेना ने लोगों को छाते लाने, टोपी और चश्मे पहनने तथा अपने साथ पानी की बोतलें लाने की सलाह दी थी। सुब्रमण्यम ने विपक्षी दलों के अपर्याप्त व्यवस्था के आरोप को खारिज करते हुए कहा, भारतीय वायुसेना ने हमसे 100 बेड, 20 बेड की आईसीयू सुविधा और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए ब्लड बैंक को अलर्ट पर रखने का अनुरोध किया था, लेकिन हमने आसपास के पांच सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में 4,000 बेड की व्यवस्था की। उन्होंने बताया कि 1,000 डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती और 40 एम्बुलेंस के अलावा, अन्य सरकारी विभागों के सहयोग से पेयजल सहित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए थे। सुब्रमण्यम ने अपील की, भारत की वायु रक्षा क्षमता को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के लिए मरीना बीच पर ऐतिहासिक समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। लड़ाकू विमान राफेल हमारी क्षमता दिखाने के लिए मात्र 20 मिनट में तंजावुर से मरीना बीच पर पहुंचा। हमें इस अवसर का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

वायु सेना का एयरशो देखना पांच परिवार के लिए त्रासदी बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के मरीना बीच पर रविवार को भारतीय वायु सेना के 92वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान देश की हवाई क्षमता को करीब से देखने का उत्साह पांच परिवारों के लिए दुखद साबित हुआ। उन्हें इस बात का जरा भी अहसास नहीं था कि रेतीले समुद्र तट से कुछ दूरी तक पैदल चलकर सड़क पर खड़े अपने दोपहिया वाहनों तक पहुंचने की कोशिश उनकी जिंदगी ले लेगा।

दरअसल, मरीना तट पर रविवार को आयोजित 'एयर शो' आकर्षण का केंद्र था लेकिन इसे देखने के लिए एकत्र हुए हजारों लोगों को कार्यक्रम के बाद घर लौटने में परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने बताया कि इस दौरान पांच लोग बीमार हो गये और उनकी मौत हो गई।

यहां के थिरुवोत्तियूर निवासी 34 वर्षीय कार्तिकेयन की पत्नी ने कहा, मेरे पति ने मुझे हमारे ढाई साल के बच्चे के साथ समुद्र तट के प्रवेश द्वार पर प्रतीक्षा करने के लिए कहा, जहां हम लगभग डेढ़ घंटे तक रुके और एयर शो देखा। समुद्र तट पर भारी भीड़ को देखकर, परिवार ने आयोजन स्थल के नजदीक न जाने का निर्णय लिया तथा दूर से ही वायुसेना के हवाई करतबों को देखा। महिला के मुताबिक, दोपहर डेढ़ बजे उनके पति ने कहा कि वह दस मिनट में अपनी बाइक लेकर हमें लेने आ जाएंगे। लेकिन दो घंटे बाद भी वह नहीं लौटे और उनके मोबाइल फोन पर लगातार घंटी बजती रही।

महिला ने बताया कि दोपहर 3.30 बजे किसी ने फोन करके बताया कि उनके पति को उल्टी हो गई है और वह अपनी बाइक के पास लेटे हुए हैं। एक पुलिसकर्मी की मदद से वह नेपियर ब्रिज तक गईं, तो देखा कि उनके पति बेसुध पड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पति को एम्बुलेंस से सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि अगर नेपियर पुल के पास कोई पुलिसकर्मी होता तो उनके पति को बचाया जा सकता था।

महिला ने कहा, पास ही सड़क पर एम्बुलेंस खड़ी थीं, लेकिन अजीब बात यह थी कि किसी भी मेडिकल कर्मी या राहगीर ने मेरे पति को बेहोश पड़े नहीं देखा। कुरुक्कुपेट के 56 वर्षीय जॉन का मामला भी कुछ ऐसा ही था। दो घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान तेज़ गर्मी के कारण वह अपनी बाइक की ओर जाते समय बेहोश हो गए।

उनकी पत्नी ने कहा, मैंने उन्हें होश में लाने की कोशिश की... हमें तुरंत एम्बुलेंस मिलने में दिक्कत हुई। लेकिन जब उन्हें ओमनदुरार सरकारी अस्पताल ले जाया गया, वहां के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। पुलिस ने अन्य मृतकों की पहचान पेरुंगलाथुर के श्रीनिवासन, कुरनूल के दिनेश कुमार और मराक्कनम के मणि के रूप में की है।

ईवाई कर्मचारी की मौत : विजयन ने श्रम कानूनों का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि देश के सभी क्षेत्रों में श्रम कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य विधानसभा में कहा कि देश में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र सहित कुछ क्षेत्रों में कर्मचारियों पर लगातार काम करने का दबाव बनाया जाता है, उन्हें बर्खास्त किए जाने की धमकियां दी जाती हैं और उन्हें श्रम अधिकारों से वंचित रखा जाता है।

मुख्यमंत्री ने हाल में 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अन्ना सेबेस्टियन की मृत्यु के संबंध में सदन में लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में ये बातें कहीं। सेबेस्टियन की पुणे में 'अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) में शामिल होने के चार महीने बाद कथित तौर पर काम से संबंधित तनाव के कारण मृत्यु हो गई थी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि देश के सभी क्षेत्रों में श्रम कानूनों का सख्ती से पालन किया जाए। विजयन ने कहा कि राज्य के 'आईटी पार्क' में काम करने वाली कंपनियों के साथ हस्ताक्षरित पट्टा समझौते में यह शर्त रखी गई है कि राज्य के सभी श्रम कानूनों का पालन होना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर इन शर्तों का पालन नहीं किया जाता है तो कर्मचारी मौजूदा कानूनी प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की मांग कर सकते हैं। कोविड-19 महामारी के बाद की अवधि में अधिकतर कंपनियों ने घर से काम करने की व्यवस्था शुरू की है, लेकिन मौजूदा श्रम कानूनों में इसकी समय-सीमा का उल्लेख नहीं है। विजयन ने यह भी कहा कि प्रस्ताव में उठाई गई चिंताओं को केंद्र सरकार के ध्यान में लाया जाएगा।

सेबेस्टियन की मौत के बाद उनकी मां ने ईवाई इंडिया' के अध्यक्ष राजीव मेमानी को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि काम के बोझ और काम के बढ़े हुए घंटे उनकी बेटी पर भारी पड़ गए। हालांकि, कंपनी ने इन आरोपों से इनकार किया। वर्ष 2023 में सीए की परीक्षा पास करने वाली युवती की जुलाई में मौत हो गई।

सतर्कता जागरूकता को लेकर वॉकथॉन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के उपलक्ष्य में जोनल हेड अरविंद कुमार के विशिष्ट नेतृत्व में तथा वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रमुख पवन कुमार के साथ मिलकर एक उल्लेखनीय वॉकथॉन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हमारे समाज में भ्रष्टाचार को खत्म करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति थीम पर आयोजित किया गया था।

वॉकथॉन में बैंक के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें जोनल ऑफिस, क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल थे, जिन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रभावशाली संख्या में एक साथ रैली निकाली। वॉकथॉन ने न केवल राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति के संदेश को बढ़ावा दिया, बल्कि कर्मचारियों के बीच एकता और दृढ़ संकल्प की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया। यह सतर्कता और पारदर्शिता के आदर्शों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन था। बैंक अपने मूल मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है और भ्रष्टाचार मुक्त समाज को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों में अथक प्रयास करता रहेगा। इस वॉकथॉन की सफलता इन मूल्यों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्वस्थ हृदय को बढ़ावा देने हेतु हैप्पी हार्टस का आयोजन

चेन्नई। विश्व प्रसिद्ध एसआरएम ग्लोबल हॉस्पिटल ने स्वस्थ हृदय हेतु लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए चेन्नई के महिंद्रा वर्ल्ड सिटी परिसर में फिटनेस युक्त मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया तथा अच्छे स्वास्थ्य एवं हृदय को स्वस्थ रखने के लिए संकल्प लिया। व्यायाम एवं शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय रहकर वजन नियंत्रित करके हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है इसके साथ ही नृत्य, जुंबा डांस करके व्यक्ति का समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है एवं वह तनाव से मुक्त होता है। रोजमर्रा के तनाव एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी से दूर होकर महिंद्रा वर्ल्ड सिटी में बच्चों एवं वयस्कों के लिए रचनात्मक कला से युक्त पहल की गई जिसमें हर उम्र के लोगों ने मौज मस्ती की तथा स्वस्थ हृदय के महत्व के बारे में अपना ध्यान केंद्रित किया।

बलात्कार के आरोपों को लेकर विशेष जांच दल ने अभिनेता सिद्दीकी से पूछताछ की

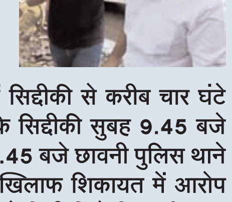

तिरुवनंतपुरम। मलयालम फिल्म अभिनेता सिद्दीकी अपने खिलाफ दर्ज बलात्कार के मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुए। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी ने यहां छावनी पुलिस थाने में सिद्दीकी से करीब चार घंटे तक पूछताछ की। अधिकारी ने बताया कि सिद्दीकी सुबह 9.45 बजे जांच दल के समक्ष पेश हुए और दोपहर 1.45 बजे छावनी पुलिस थाने से चले गए। एक महिला ने अभिनेता के खिलाफ शिकायत में आरोप लगाया है कि फिल्मों में भूमिका देने के बहाने सिद्दीकी ने तिरुवनंतपुरम के एक होटल में उनका यौन उत्पीड़न किया था।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुम्बई। बड़े वैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक ऑफ़ बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी। बैंक ऑफ़ बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान प्ले द मास्टरस्ट्रोक की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत और करोड़ों लोगों के भरोसे पर खरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं।

भारत के विविधता पूर्ण प्रदेशों और देश के कोने-कोने में अपनी लोकप्रियता के साथ, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सचिन, बैंक के सभी ब्रांडिंग अभियानों, ग्राहक शिक्षा एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों तथा धोखाधड़ी की रोकथाम पर जागरूकता अभियानों तथा ग्राहक एवं कर्मचारी जुड़ाव कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण बनेंगे। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 17 देशों में व्यापक उपस्थिति है और एक वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में सचिन वैश्विक मंच पर बैंक के ब्रांड को और ऊंचाई पर लेकर जाएंगे। इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी देबदत्त चांद ने कहा, भारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैशविक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए बहुत गौरव का क्षण है। सचिन एक वैश्विक आइकन हैं जिन्होंने

हमेशा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया है और अपने खेल से हमें प्रेरित किया है। जिस तरह उन्होंने अपने बेहतरीन कॅरियर के माध्यम से एक समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है, उसी तरह बैंक ऑफ़ बड़ौदा देश भर में करोड़ों लोगों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहा है और उनके वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बन रहा है। सचिन नेतृत्व, उत्कृष्टता, विश्वास, निरंतरता जैसे जीवन मूल्यों और ऐसी विरासत के प्रतीक हैं जो बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शताब्दी से अधिक की यात्रा के मूल आधार हैं। हम सचिन के साथ जुड़ने और इस साझेदारी को आगे ले जाने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं।

बैंक ने इस अवसर पर 'बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता' की शुरुआत की भी घोषणा की, जो विशेष रूप से प्रीमियम सेवाओं के इच्छुक ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया गया एक विशिष्ट बचत बैंक खाता है। 'बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता' की उत्पाद संरचना में इस श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक वित्तीय आयोजना शामिल हैं। बैंक अपने हाई नेटवर्थ वाले ग्राहकों के लिए ऑफर्स को बढ़ाते हुए बॉब मास्टरस्ट्रोक खाता फ्लेक्सी फिक्स्ड डिपॉजिट सुविधा' के माध्यम से खाते की शेष राशि पर उच्च ब्याज दर, रिटेल ऋण पर रियायती ब्याज दर, बॉब वर्ल्ड ऑपुलेंस वीज़ा इनफिनिट डेबिट कार्ड (मेटल संस्करण) और एक लाइफटाइम-निशुल्क एटर्ना क्रेडिट कार्ड (पात्रता की शर्त पर) जैसी कई सुविधाएं ऑफर कर रहा है। बॉब मास्टरस्ट्रोक खाताधारकों को प्राथमिकता के आधार पर बैंकिंग/वैल्थ मैनेजमेंट संबंधी सुझाव, उच्च नकद निकासी सीमा और अन्य विशेष सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके लिए ग्राहकों को खाते में 10 लाख रुपये का तिमाही औसत शेष बनाए रखना होगा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सचिन तेंदुलकर ने कहा, मुझे बैंक ऑफ़ बड़ौदा, के साथ जुड़ते हुए खुशी है, और यह एक ऐसी संस्था है जो निरन्तर समय के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर है और आज के समय मे अपना स्थान कायम किए हुए है. एक सदी पहले एक छोटी सी शुरुआत से आगे बढ़ते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा आज उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा, नवोन्मेषिता के सिद्धांतों पर चलते हुए एक अग्रणी बैंकिंग संस्थान बन गया है। ये मूल्य मेरे दिल के करीब हैं और मेरा मानना है कि ये किसी भी कार्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। मैं बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ इस सहकार्यता को एक सार्थक पहल के रूप मे देखता हूँ।

चांद ने कहा, हमारी सोच है कि देश का प्रत्येक नागरिक बैंक ऑफ़ बड़ौदा को अपने पसंदीदा बैंकिंग साझेदार के रूप में चुनते हुए मास्टरस्ट्रोक खेले।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

परिसर विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई

अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने की सूचना

भारतीय रिज़र्व बैंक 100 करोड़ तक, 100 करोड़ से 300 करोड़, 300 करोड़ से 600 करोड़ और 600 करोड़ से 1200 करोड़ तक की श्रेणियों के अंतर्गत बैंक की निर्माण परियोजनाओं के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) के रूप में पैनल में शामिल करने के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।

पूर्ण विवरण के लिए और ईओआई दस्तावेज़/आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in में निविदाएं लिंक अथवा www.dgciskol.gov.in में इंडियन ट्रेड जर्नल लिंक पर जाएँ। ईओआई दस्तावेज़ 02 अक्तूबर, 2024 से 11 नवंबर, 2024 तक डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध होगा।

विधिवत भरे हुए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 11 नवंबर, 2024 दोपहर 03:00 बजे तक है।

आगे की सूचना/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हों, तो उन्हें बैंक की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा और किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

बैंक इस ईओआई के लिए किसी भी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

मुंबई — प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक

"पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं"

हुडको से आरटीडीसी ने किया 415 करोड़ का करार दीया कुमारी और पर्यटन सचिव रवि जैन रहे मौजूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी तथा शासन सचिव पर्यटन रवि जैन की उपस्थिति में राजस्थान पर्यटन विकास निगम और हुडको की ओर से सोमवार को सचिवालय में आरटीडीसी की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा एवं हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर के मध्य 415 करोड़ रुपये के ऋण हेतु एमओयू का आदान प्रदान किया गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज हुडको से 9.12: की ब्याज दर पर 415 करोड़ रुपये के दीर्घकालीन लोन का एमओयू आदान प्रदान किया गया है। राजस्थान में पर्यटन के क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं पर अभी बहुत काम किया जाना है। उन्होंने कहा कि हुडको के साथ हुए आज के एमओयू से पर्यटन विकास के लिए वित्तीय संबल मिलेगा। राजस्थान में पर्यटन विकास को और गति मिलेगी।

दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन विकसित भारत बनाने का है। इसी लक्ष्य के तहत राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विकसित राजस्थान बनाने का विजन है। जिसमें पर्यटन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारी डबल इंजन की सरकार है केन्द्र सरकार के साथ मिलकर राज्य सरकार प्रदेश का विकास करेगी,पर्यटन का विकास करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के तीर्थ स्थलों, स्मारकों,नये डेस्टीनेशन्स को और अच्छा बनाने के लिए कार्य किये जाएंगे। राजस्थान आने वाले पर्यटकों का अनुभव शानदार हो इसके लिए हमारा प्रयास होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राईजिंग राजस्थान हमारे लिए एक बेहतर अवसर है। पर्यटन की दिशा में हम बहुत आगे बढ़ने वाले हैं। राईजिंग राजस्थान से पर्यटन के क्षेत्र में नए निवेश होगें तथा राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र में नई उचाईयों पर ले जाने के प्रयास सार्थक होंगे। हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख सुधीर भटनागर ने इस अवसर पर कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के नेतृत्व में राजस्थान में पर्यटन विकास के बेहतरीन काम हो रहे हैं। राजस्थान में सड़कों और आधारभूत सुविधाओं के साथ पर्यटन विकास के बहुत अच्छे कार्य हो रहें हैं।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देशों पर आगे बढ़ते हुए आज एमओयू हुआ इससे राजस्थान में पर्यटन का तेजी से विकास होगा। आरटीडीसी होटल के नवीनीकरण के कार्य तथा पर्यटक स्थलों और पर्यटन के क्षेत्र में अच्छी सुविधाओं का विकास महत्वपर्ण है। उन्होंने कहा कि ऋण स्थगन अवधि 2 वर्ष की होगी, इसके बाद मूल राशि का पुनर्भुगतान शुरू होगा। इस अवसर पर पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह, आरटीडीसी के कार्यकारी निदेशक वित्त धीरज सिसोदिया, पर्यटन विभाग की वित्तीय सलाहकार गार्गी सिंह, उपनिदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पटवारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की टीम ने सोमवार को गंगानगर जिले की सूरतगढ़ तहसील में एक पटवारी को कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो ने इसकी जानकारी दी। ब्यूरो के बयान के अनुसार ब्यूरो की टीम ने सूरतगढ़ तहसील के संगीता हल्के के पटवारी मुकेश कुमार को परिवादी से 20 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया। इसके अनुसार परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि गिरदावरी आकलन रिपोर्ट तैयार करने की एवज में आरोपी पटवारी मुकेश कुमार द्वारा प्रति बीघा एक हजार रुपये के हिसाब से कुल 25 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर सोमवार को सूरतगढ़ में आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गहलोत के कार्यकाल में पूरे पांच साल 'सर्कस' चला : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पूरे पांच साल 'सर्कस' किया। शर्मा ने कहा कि गहलोत कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अनुभवी भी हैं, इसलिए उन्हें कोई भी बयान देने से पहले आत्मचिंतन करना चाहिए क्योंकि वे जो मुद्दे अब उठा रहे हैं उन पर वे काम कर सकते थे।

उन्होंने यहां मीडिया से कहा, अशोक गहलोत ने पूरे पांच साल सर्कस ही किया है। कभी होटल में, कभी ऐसे ही। इसलिए अब उनको सर्कस ही दिखता है।

मैं कहना चाहता हूं, कि आजकल वह 'एक्स' पर बहुत बातें लिख रहे हैं। मैं उनको याद दिलाना चाहता हूं कि 10 महीने पीछे चले जाएं। अपनी उन बातों को यादों को भी करें। गहलोत ने रविवार को जोधपुर में मीडिया से बातचीत में कहा था कि राज्य में सरकार नहीं बल्कि सर्कस चल रही है, जहां एक मंत्री इस्तीफा दे रहा है और कोई उसे मनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह से विफल है।

शर्मा ने कहा कि गहलोत कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वे अनुभवी भी हैं। उन्हें कोई भी बयान देने से पहले अपनी तरफ देखना चाहिए। शर्मा ने कहा, क्योंकि वह जिन बातों को कह रहे हैं वह खुद भी उन कामों को कर सकते थे। उनका तो लंबा कार्यकाल रहा है। उनको यह भी सोचना चाहिए कि जो मैं कह रहा हूं, मैं उन पर कितना खरा उतरा हूं। उस पर विचार करना चाहिए।

कई जगह हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले दो दिन में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य के अधिकतर भागों में आज मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। वहीं एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से आठ नौ अक्टूबर को उत्तर पश्चिमी एवं उत्तरी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है, शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क बना रहेगा। इसके अनुसार पिछले चौबीस घंटे में पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश दर्ज की गयी।

अपने गिरेबान में झांकें, गजेंद्र सिंह शेखावत का गहलोत पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रदेश की भजनलाल सरकार को सर्कस बताए जाने के बयान पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पलटवार किया है। शेखावत ने कहा कि गहलोत को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए उनकी सरकार के समय महिलाओं की क्या स्थिति थी, लगातार पेपर लीक होने के बाद भी वे क्लीन चिट देते रहे। सोमवार को अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए शेखावत ने कहा कि राजनीतिक टिप्पणियां करने से पहले उनको अपने 5 साल के काम में किस तरह के हालात थे वो देखना चाहिए। राजस्थान में

महिलाओं पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए थे। मैं लगातार कह रहा था कि जिस आदमी की सरकार होते हुए राजस्थान में पेपर लीक मामले में इतनी सारी घटनाएं हुई और लगातार वह खुद आगे आकर क्लीन चिट देते रहे। यह कहते रहे कि पेपर लीक में सरकारी अधिकारी, राजनेता और कर्मचारी का इंवॉल्वमेंट नहीं है,लेकिन आज जब हकीकत सामने आ रही है तब बौखलाए हुए हैं।

शेखावत ने कहा कि इस तरह के स्टेटमेंट देते हैं। लेकिन राजस्थान की जनता ने पिछले 5 साल का उनका शासन काल देखा है। जनता उनको अच्छी तरह से जानती है और पहचानती भी है। उनका स्टेटमेंट उनकी खिसियाहट दिखाता है। उल्लेखनीय की अशोक गहलोत रविवार को जोधपुर आए थे और उन्होंने भजनलाल सरकार के कामों पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि सरकार नहीं सर्कस है। सीएम को अब जनता को राहत देने के काम करना चाहिए।

दोषियों को बचाने का प्रयास करने वाले अधिकारियों पर भी होगी सख्त कार्यवाही : गौतम कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । प्रदेश के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं और फर्जीवाड़ों के प्रकरणों से आमजन का सहकारिता में विश्वास कम होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए की ऐसे प्रकरण सामने आते ही दोषियों के प्रति बिना सहानुभूति रखते हुए अविलम्ब कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सहकारिता मंत्री सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में राजस्थान सहकारी सोसायटी अधिनियम - 2001 की धारा 55, 57 (1) और 57 (2) के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। इस मैराथन बैठक में लम्बे समय से पेंडिंग चल रहे करीब 300 प्रकरणों की खण्डवार और प्रकरणवार विस्तार से समीक्षा की गई। सहकारिता मंत्री ने प्रकरणों की जांच में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लम्बित जांच प्रकरणों में जांच अधिकारियों के लिए समय सीमा भी निर्धारित की। दक ने कहा कि अनियमितताओं के प्रकरणों में होने वाली कार्यवाही नजीर बननी चाहिए। इसके लिए जांच अधिकारी ऐसे प्रकरणों में लीपापोती करने के बजाय पूरी ईमानदारी से अपना काम करें। दक ने निर्देश दिए कि सहकारी समितियों की आम सभा में राजकीय प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इससे फर्जीवाड़े के प्रकरणों पर काफी हद तक लगाम लगेगी। उन्होंने कहा कि यदि समिति में फर्जीवाड़ा साबित होता है, तो आरोपियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज करवाई जाए।

हरियाणा में कांग्रेस व जम्मू कश्मीर में 'गठबंधन' की सरकार बनेगी : पायलट

जयपुर/दक्षिण भारत । कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को विश्वास जताया कि हरियाणा में कांग्रेस एवं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस अपने सहयोगी गठबंधन के साथ सरकार बनाएगी। इन दोनों राज्यों में हाल ही में विधानसभा चुनाव हुए हैं और वोटों की गिनती मंगलवार को होनी है। पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा, कल दो राज्यों (हरियाणा और जम्मू कश्मीर) की मतगणना होगी। जैसा कि फीडबैक मिला है...व्यक्तिगत रूप से मैं मानता हूं कि एक बहुत अच्छे बहुमत के साथ हरियाणा में हम लोग (कांग्रेस) सरकार बनाने जा रहे हैं।' जम्मू कश्मीर के बारे में उन्होंने कहा, 'भाजपा ने बहुत कोशिश की...जम्मू कश्मीर के अंदर तरह तरह की सियासी चालें चली हैं, लेकिन वहां पर मुझे लगता है कि स्पष्ट बहुमत हमारे गठबंधन को मिलेगा...जम्मू कश्मीर के सब लोग मिलकर कांग्रेस गठबंधन को बहुमत देंगे और दोनों राज्यों में हमलोग सरकार बनायेंगे।' पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, यह जो चुनाव हुए हैं दोनों जगह...यह बदलाव के चुनाव है। जम्मू कश्मीर में (उप) राज्यपाल के माध्यम से केन्द्र सरकार शासन चला रही थी.. लोगों ने बदलाव को वोट दिया है... मतदान प्रतिशत अच्छा रहा है.. प्रतिशत ऊंचा हुआ है, और मुझे लगता है, हम लोग दोनों राज्यों में अच्छी सरकार बनाने में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा जहां तक कौन नेतृत्व करेगा उसका चुनाव की एक प्रक्रिया है हमारी पार्टी में... विधायक दल की मीटिंग होती है और पर्यवेक्षक दिल्ली से जाते है अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष को देते है और केन्द्रीय नेतृत्व विधायकों की सलाह के बाद निर्णय करती है कि कौन हमारे विधायक दल का नेता बनेगा। राजस्थान सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, 'राजस्थान में जो हालात आज हैं, एक तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, लोगों को मालूम नहीं कि सत्ता का केन्द्र क्या है। इतने सारे सत्ता के केन्द्र हैं... संगठन कुछ बोल रहा है, सरकार कुछ बोल रही है.. मंत्री इस्तीफा दे रहे हैं.. लोग उनको मनाने में लगे हुए हैं।'

मुख्यमंत्री ने नाहरगढ़ में टाइगर सफारी का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के नाहरगढ़ में फीता काटकर टाइगर सफारी का शुभारम्भ किया। प्रदेशवासियों को मिली इस सौगात से अब वन्य जीव प्रेमी नाहरगढ़ में टाइगर सफारी का आनंद ले सकेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान में दो बाघ शावकों का नामकरण भी किया। मुख्यमंत्री ने मादा बाघ शावक का नाम 'स्कंदी' तथा नर बाघ शावक का नाम 'भीम' रखा। शर्मा ने प्रदेशवासियों को 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मनाए जा रहे वन्य जीव सप्ताह की बधाई देते हुए कहा कि वन्य जीवों की रक्षा तथा प्रकृति को संजोए रखना हम सभी का कर्त्तव्य है। इस वन्यजीव सप्ताह में विद्यार्थियों को बायोलॉजिकल पार्कों में निःशुल्क प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा

कि वन विभाग और जेडीए के संयुक्त प्रयासों से सोमवार को शुरू हो रही टाइगर सफारी से प्रदेश में पर्यटन को एक नई शुरूआत मिली है। साथ ही, इससे बाघों के संरक्षण एवं संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान वन्यजीवों के संरक्षण, संवर्धन पर विशेष जोर दे रहा है। प्रदेश में तीन नेशनल पार्क, 26 अभयारण्य, 36 कन्जर्वेशन रिजर्व तथा 4 बायोलॉजिकल पार्क विकसित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बाघों के संरक्षण के निरंतर किए जा रहे प्रयासों से उनकी आबादी बढ़ रही है। राजस्थान में लगभग 130 बाघ हैं। उन्होंने कहा कि जेडीए ने जयपुर जिले में दो नए पार्क विकसित किए हैं। जिसमें जीरोता में नगर वन एवं नेवटा के पास बायोडायवर्सिटी पार्क शामिल हैं। इससे आसपास की 5 लाख की आबादी लाभान्वित होगी।

शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' के तहत राज्य में 7 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'हरियालो मिशन' के तहत लगातार पौधारोपण किया जा रहा है। जिसके तहत आगामी पांच वर्षों में प्रत्येक वर्ष 10 करोड़ पौधारोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जनता से जो वादे किए हैं, उनको लगातार पूरा किया जा रहा है। हमने एक वर्ष में एक लाख भर्तियों तथा आगामी पांच वर्षों में चार लाख भर्तियों की घोषणा की थी। जिसके तहत कैबिनेट बैठक में एक साथ 90 हजार पदों पर भर्तियों का रास्ता खुला है जो हमारे दृढसंकल्प को दर्शाता है।

शर्मा ने अधिकारियों को नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रोशनी एवं वन्यजीवों के लिए पानी तथा उद्यान के समुचित रख-रखाव के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। इससे पहले शर्मा ने परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने इस दौरान विभिन्न स्कूलों से जैविक उद्यान में भ्रमण हेतु आए बच्चों से मुलाकात भी की।

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सचिवालय अधिकारी-कर्मचारियों की भूमिका अहम : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सचिवालय राजस्थान की जनता की भावनाओं, इच्छाओं और उम्मीदों का मुख्य केन्द्र है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और निर्णयों को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने में यहां के अधिकारीयों-कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी प्रदेश में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने और मदद करने की भावना से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। विकसित राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने में आमजन के साथ ही समाज के विकास में सचिवालय अधिकारीयों-कर्मचारीयों का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता शपथ दिलाई और अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्ण निभाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी की ओर से जो भी मांगे रखी गई हैं उस पर राज्य सरकार सकारात्मक विचार करेगी। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सचिवालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दलजीत सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया, साथ ही सचिवालय सेवा की कुछ महत्वपूर्ण मांगो के साथ नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की। इस अवसर पर संयुक्त शासन सचिव कार्मिक कनिष्क कटारिया सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आने वाले समय में गोशालाओं को बनाया जाएगा और भी सुविधाजनक : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं से गोपालकों को सहायता व संबल प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार गौशालाओं को और भी सुविधाजनक बनाने की कार्य योजना बनाकर कार्य कर रही है।

कुमावत सोमवार को झुंझुनू जिले के खेमी शक्ति मन्दिर परिसर में झुंझुनूं जिला गौ सेवा समिति के जिला स्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग ले रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला के संचालन, अनुदान, भूमि, चारा, अन्य प्रशासनिक समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान पर चर्चा की। उन्होंने गौ माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस दौरान झुंझुनू जिले की सर्वश्रेष्ठ 3 गौशालाओं की घोषणा की गई, जिसमें प्रथम जमवाय माता गौशाला भौड़की, द्वितीय गोपाल गौशाला झुन्झनू व तृतीय पिंजरापोल गौशाला बिसाऊ रही। सांत्वना पुरस्कार की हकदार पिलानी गौशाला रही, जिसके प्रतिनिधियों को 20 अक्टूबर 2024 को पिलानी गौशाला में पिलानी के प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला समिति द्वारा प्रकाशित कामधेनु स्मारिका का भी विमोचन भी किया गया, जिसमें पूरे जिले की सभी गौशालाओं का विवरण प्रकाशित किया गया है।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर चलाई गोली, कॉन्स्टेबल घायल

बारां। राजस्थान के बारां जिले के सीसवाली थाना क्षेत्र में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग करने के दौरान सोमवार को एक पुलिस कॉन्स्टेबल घायल हो गया। जिला पुलिस अधीक्षक रामकुमार चौधरी ने बताया कि सीसवाली थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने राउंड अप कर पकड़ा है। मारपीट और गाड़ी में तोड़फोड़ के मामले में पुलिस टीम आरोपी की तलाश में सीसवाली के महुआ गांव गई थी। सुबह थानाधिकारी छोटूलाल की अगुवाई में 15 सदस्य टीम ने रामेश्वर के घर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी के परिजन हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच आरोपी परिवार में से किसी ने फायर कर दिया जिससे गोली कांस्टेबल के बायीं जांघ पर आकर लगी। उन्होंने बताया कि गांव की लड़की भागने को लेकर एक समाज के लोगों ने परिवाद दिया था। जांच के लिए पुलिस की टीम गांव में गई थी। आरोपी पक्ष के लोगों ने पुलिस से अभद्र व्यवहार किया और राजकार्य में बाधा पहुंचाई।

आरजी कर मामला : कनिष्ठ चिकित्सकों का अनशन तीसरे दिन भी रहा जारी, आज करेंगे रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में न्याय एवं कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग कर रहे आंदोलनरत कनिष्ठ चिकित्सकों का आमरण अनशन लगातार तीसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए मंगलवार को शाम करीब साढ़े चार बजे मध्य कोलकाता के कॉलेज स्कवायर से धर्मतला तक एक रैली करने की भी घोषणा की। कनिष्ठ चिकित्सक ने कहा, ''कल, हम राज्य भर के सभी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में सांकेतिक भूख हड़ताल करेंगे। इसमें विभिन्न चिकित्सक संघों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। यह मंगलवार सुबह 9 बजे शुरू होगा और रात 9 बजे तक जारी रहेगा। हम कोलकाता में एक रैली भी करेंगे। हम, पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम की ओर से उन सभी लोगों को आमंत्रित करते हैं जो हमारे विरोध के पहले दिन से ही हमारे साथ हैं।'' छह कनिष्ठ चिकित्सक शनिवार शाम से ही आमरण अनशन कर रहे हैं। 'ज्वाइंट प्लेटफॉर्म ऑफ डॉक्टर्स इन वेस्ट बंगाल' के छह सदस्य कनिष्ठ चिकित्सकों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए अनशन में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। एक कनिष्ठ चिकित्सक अनिकेत महतो ने कहा, ''हमारा आमरण अनशन जारी है। हमें राज्य सरकार से कोई संदेश नहीं मिला है। हम सभी मांगें पूरी होने तक इसे जारी रखेंगे। कोई भी बाहरी दबाव हमें मृतक बहन के लिए न्याय मांगने के वास्ते प्रदर्शन करने से नहीं डिगा सकता...अभी नहीं तो कभी नहीं।'' अनशन पर बैठने वाले छह चिकित्सकों में कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्निग्धा हाजरा, तान्या पांजा और अनुष्टुप मुखोपाध्याय, एसएसकेएम अस्पताल के अर्नब मुखोपाध्याय, एन.आर.एस. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पुलस्थ आचार्य और के.पी.सी मेडिकल कॉलेज की सायंतनी घोष हाजरा शामिल हैं। दो वरिष्ठ महिला चिकित्सक – श्रावणी मित्रा और श्रावणी चक्रवर्ती ने कनिष्ठ चिकित्सकों के प्रति एकजुटता जताने के लिए प्रदर्शन स्थल पर 24 घंटे का अनशन शुरू कर दिया है। मित्रा ने कहा, ''हम युवा चिकित्सकों के प्रति अपना समर्थन और एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए उनके साथ शामिल हो गए हैं। इसके अलावा करीब 10-13 अन्य वरिष्ठ चिकित्सक भी उनके साथ जुड़ेंगे। वे भी अगले 24 घंटे तक अनशन करेंगे।''

'अधिकारी निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें'

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को सभी जिला उपायुक्तों को निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज करने का निर्देश दिया। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए 'गोगो दीदी' योजना की घोषणा के कुछ दिन बाद यह निर्देश दिया गया।

राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आरोप लगाया है कि भाजपा अपनी प्रस्तावित योजना के लिए महिलाओं से आवेदन जमा करवा रही है, जिसमें 2,100 रुपए प्रति माह की वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया है। झामुमो ने दावा किया कि ऐसा किया जाना '' निर्वाचन आयोग के नियमों का उल्लंघन है''।

सोरेन ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''सभी उपायुक्त संज्ञान लें एवं सुनिश्चित करें कि निर्वाचन आयोग के सभी नियमों का सख्ती से पालन हो। झारखंड में किसी को भी निर्वाचन आयोग के नियमों को तोड़ने की आजादी नहीं है। उपायुक्तों को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर सूचित करना चाहिए।''

इस पर पलटवार करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग की अधिसूचना नहीं आ जाती तब तक प्रत्येक राजनीतिक दल को अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का अधिकार है।

भाजपा 'पीआईएल मास्टर गैंग' बन गई है, हर सरकारी योजना में अड़चन डालती है : कल्पना सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुमला (झारखंड)/भाषा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक कल्पना सोरेन ने भाजपा को ''पीआईएल मास्टर गैंग'' बताते हुए झारखंड के लोगों के हित से जुड़ी सरकारी योजनाओं में बाधा डालने के लिए मुख्य विपक्षी दल की सोमवार को आलोचना की। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा को लोगों से करारा जवाब मिलेगा।

सोरेन ने 'मंईयां सम्मान यात्रा' के तहत गुमला जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) के खिलाफ जनहित याचिका (पीआईएल) कथित तौर पर दायर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निंदा की। उन्होंने कहा, ''मंईयां सम्मान योजना के खिलाफ उन्होंने जनहित याचिका दायर की है। जब भी कोई अधिवास नीति आती है तो वे ऐसा ही करते हैं। वे 'पीआईएल मास्टर गैंग' बन गए हैं जो झारखंड के लोगों के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा शुरू की जाने वाली हर पहल में बाधा डालते हैं।''

कल्पना सोरेन ने अलग सरना धार्मिक संहिता की भी वकालत की और भाजपा पर आदिवासी समुदायों की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''आदिवासियों की पहचान उनकी संस्कृति और सरना धार्मिक संहिता में निहित है। हमने झारखंड विधानसभा में इस संहिता के लिए प्रस्ताव पारित किया लेकिन भाजपा हमारी संस्कृति की रक्षा करने और अलग सरना संहिता प्रदान करने को तैयार नहीं है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल हेमंत सोरेन ही झारखंड और आदिवासी पहचान की रक्षा कर सकते हैं।

कल्पना सोरेन ने कहा, ''पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने (हेमंत सोरेन) केंद्र सरकार को कुडुख, उरांव, हो और मुंडारी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए पत्र लिखा था। हालांकि उन्होंने इनकार कर दिया। हम तब तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे जब तक हमें अपने अधिकार नहीं मिल जाते।''

'प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए मार्गदर्शक हैं'

लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को संवैधानिक पद पर 23 साल पूरा करने के अवसर पर शुभकामना देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक 23 वर्ष हर जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय है । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, ''मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे आपकी 23 वर्षों की लोक साधना में आस्था, अस्मिता, आधुनिकता, अंत्योदय और अर्थव्यवस्था को संरक्षण और संवर्धन मिलने के साथ ही हर स्तर पर वंचित को वरीयता प्राप्त हुई है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री जी की प्रत्येक नीति और हर योजना ने वंचितों और गरीबों के समग्र उत्थान को नए आयाम प्रदान किए हैं। वे सच्चे अर्थों में आधुनिक भारत में 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के वास्तुकार हैं। उनका जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। सेवा, सुशासन और सुरक्षा को समर्पित प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायक 23 वर्ष प्रत्येक जनप्रतिनिधि के लिए उत्कृष्ट मार्गदर्शक और पाथेय है।'' उन्होंने लिखा, ''प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में 'नया भारत' आज वैश्विक महाशक्ति बनने के मार्ग पर सतत अग्रसर है।'' योगी ने कहा, ''मां भारती को परम वैभव तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते 23 वर्षों की यशस्वी यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को हार्दिक बधाई ।'

ओडिशा ने माओवादियों से निपटने के लिए केंद्र से हेलीकॉप्टर, सुरक्षा बलों की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में माओवादियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार से एक हेलीकॉप्टर और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 12 कंपनियों की सोमवार को मांग की।

पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से माओवादियों के ओडिशा में प्रवेश की आशंका के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने यह मांग की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि माझी ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित माओवाद संबंधी समीक्षा बैठक के दौरान यह मांग उठाई। बयान में कहा गया कि माझी के साथ वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित बैठक में भाग लिया।

उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार ने सुरक्षा बल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूर्व सैनिकों के ओएसएसएफ (ओडिशा स्पेशल स्ट्राइकिंग फोर्स) की तीन बटालियन गठित की हैं। उन्होंने कहा कि जब तक भर्ती किए गए कर्मियों को तैनात नहीं किया जाता, तब तक छत्तीसगढ़ से घुसपैठ को रोकने और खुफिया-आधारित अभियानों को बढ़ाने की सख्त जरूरत है।

माझी ने बैठक में कहा, ''वर्तमान परिदृश्य में मैं आपसे (केंद्र से) अनुरोध करता हूं कि जब तक भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, केंद्रीय बलों को वापस न बुलाया जाए। साथ ही, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि दो साल की अवधि के लिए सीएपीएफ की कम से कम 12 कंपनियां भेजी जाएं, जिन्हें वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया जाए, ताकि घुसपैठ को रोका जा सके और समयबद्ध तरीके से ओडिशा से वामपंथी उग्रवाद को खत्म किया जा सके।''

अधिक सुरक्षा बलों की मांग को उचित ठहराते हुए माझी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की बड़े पैमाने पर तैनाती और माओवाद विरोधी अभियान में तेजी आने के साथ वाजिब आशंका है कि चरमपंथी ओडिशा का रुख कर सकते हैं और वे राज्य के भीतर भी एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

माझी ने यह भी कहा कि सुरक्षा बलों और जवानों की आवाजाही, अग्रिम चौकियों के रखरखाव और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए निर्बाध हेलीकॉप्टर सेवा एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

असम किसानों को 10 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड देगा : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को राज्य भर में चार लाख से अधिक किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) वितरण की शुरुआत की। एक आधिकारिक समारोह में शर्मा ने कहा कि सरकार लगभग 10 लाख एसएचसी वितरित करेगी और उनमें से चार लाख पहले से ही वितरण के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमारे कृषक बंधु आत्मनिर्भर असम के हमारे मिशन के आधार हैं। मैं आज किसानों को कई पहल समर्पित कर रहा हूं। शर्मा ने कहा कि राज्य में मिट्टी की गुणवत्ता जांचने के लिए प्रयोगशालाओं की संख्या पांच से बढ़ाकर 26 कर दी गई है। कृषि मंत्री अतुल बोरा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने कृषि कार्ड वितरण के साथ ही किसानों को कृषि मशीनरी सौंपी तथा कृषि ज्ञान केन्द्रों का उद्घाटन किया। शर्मा ने कहा, हम 816 ग्रामीण कृषि उपकरण बैंक स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, इससे पहले राज्य में ऐसे केवल 80 बैंक थे। उन्होंने कहा कि सरकार 96 कृषि ज्ञान केन्द्र और 93 कृषि विकास कार्यालय भी शुरू कर रही है।

संभल में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 22 लोग घायल, पांच की हालत गंभीर

संभल, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के गुन्नौर थाना क्षेत्र में सोमवार को दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 22 लोग घायल हो गए। घायलों में चार महिलाओं समेत पांच को उपचार के लिए अलीगढ़ भेजा गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

गुन्नौर के थाना प्रभारी निरीक्षक विनीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बदायूं-गुन्नौर मार्ग पर किसी को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई, इस घटना में 22 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों में से चार महिलाओं समेत इलाज के लिए अलीगढ़ भेजा गया है, हालांकि, बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई है। उन्होंने बताया कि सभी घायल कासगंज के रहने वाले हैं और ये लोग देवी के दर्शन के लिए संभल आ रहे थे तभी यह हादसा हो गया।

दिग्गज जिम्नास्ट दीपा कर्माकर ने संन्यास की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनकर इतिहास रचने वाली दिग्गज खिलाड़ी दीपा कर्माकर ने सोमवार को संन्यास लेने की घोषणा की।

रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर मामूली अंतर से चूकने वाली दीपा का करियर इस तरह समाप्त हो गया जिसमें वह नियमित रूप से अत्यधिक कठिन प्रोडुनोवा वॉल्ट करके लोगों को प्रभावित करती थीं। त्रिपुरा की 31 वर्षीय इस छोटी कद की खिलाड़ी ने 2016 रियो खेलों के वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियां बटोरी थीं जहां उन्होंने वह सिर्फ 0.15 अंक से ओलंपिक पदक से चूक गई थी। दीपा ने बयान में कहा, ''बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद मैंने प्रतिस्पर्धी जिम्नास्टिक से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह आसान फैसला नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि यह सही समय है।'' उन्होंने कहा, ''जब से मुझे याद है तब से जिम्नास्टिक मेरे जीवन का केंद्र रहा है और मैं उतार-चढ़ाव और बीच के हर लम्हे के लिए आभारी हूं।'' दीपा ने कहा कि वह अपने जीवन में किसी समय कोच बनकर खेल को कुछ वापस देने की उम्मीद करती हैं या फिर वह 'अपने सपनों का पीछा करने वाले जिम्नास्टों की अगली पीढ़ी की समर्थक' बनी रह सकती हैं।

अगरतला की रहने वाली दीपा जिम्नास्टिक के इतिहास की केवल पांच महिलाओं में से एक हैं जिन्होंने प्रोडुनोवा को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है जिसमें जमीन पर उतरने से पहले दो बार 'समरसॉल्ट' करना होता है और इसे 'वॉल्ट ऑफ डेथ' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें चोट लगने का जोखिम बहुत अधिक होता है। उन्होंने कहा, ''जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे अपनी हर उपलब्धि पर गर्व महसूस होता है। विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना, पदक जीतना और सबसे यादगार, रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा वॉल्ट करना, इसे हमेशा मेरे करियर के शिखर के रूप में याद किया जाएगा।''

दीपा कर्माकर ने कहा, ''ये पल सिर्फ मेरे लिए जीत नहीं थे। ये भारत की हर उस युवा लड़की की जीत थी जिसने सपने देखने की हिम्मत की जिसने माना कि कड़ी मेहनत और दृढ़

ओडिशा : निजी बस संचालकों ने 14 जिलों में प्रस्तावित हड़ताल वापस ली

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के 14 जिलों के निजी बस संचालकों ने सोमवार को बेहरामपुर में परिवहन मंत्री बिभूति भूषण जेना के साथ हुई बैठक के बाद अपनी प्रस्तावित हड़ताल वापस ले ली है। दक्षिण और पश्चिम ओडिशा के 14 जिलों के निजी बस संचालकों ने सोमवार को शाम छह बजे से 24 घंटे की हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी। निजी बस संचालक ब्लॉक से जिला मुख्यालय के बीच 'लक्ष्मी' बस सेवा संचालित करने का विरोध कर रहे हैं। परिवहन मंत्री के साथ हुई बैठक में शामिल निजी बस मालिक संघ, बेलीगुडा के अध्यक्ष लोकनाथ पाढी ने कहा, ''हमने सोमवार से शुरू होने जा रही अपनी हड़ताल को वापस लेने का फैसला किया है क्योंकि मंत्री ने आश्वस्त किया है कि वह हमारी मांगों पर विचार करेंगे।'' राज्य सरकार ने ब्लॉक से जिला मुख्यालयों के बीच लोकेशन एक्सेसिबल मल्टी-मॉडल इनिशिएटिव (लक्ष्मी) योजना के तहत वातानुकूलित बसों का संचालन करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत संचालित बसों का किराया सरकार ने 10 रुपए प्रति महिला यात्री रखा है जबकि निजी संचालक प्रति यात्री 60 से 80 रुपए का किराया लेते हैं।

यति के खिलाफ मुरादाबाद, बहराइच, अलीगढ़ में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद/बहराइच/अलीगढ़/भाषा। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ डासना मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद के कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में चल रहे देशव्यापी आंदोलन के बीच उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, बहराइच और अलीगढ़ में जनप्रतिनिधियों, धार्मिक संगठनों और छात्रों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की।

अलीगढ़ मुस्लिम विवि (एएमयू) के सैकड़ों छात्रों ने पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ नरसिंहानंद सरस्वती द्वारा हाल ही में की गयी टिप्पणियों के खिलाफ विश्वविद्यालय में विरोध मार्च निकाला। मुरादाबाद संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य रुचि वीरा ने पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए विवादित बयान के लिए डासना मंदिर के मुख्य पुजारी नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और पूछा कि योगी (आदित्यनाथ) सरकार का अपराध के खिलाफ कत्तई बर्दाश्त नहीं करने की नीति कहां है।

नगर मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव ने बताया कि मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा सोमवार को अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचीं और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने नरसिंहानंद सरस्वती के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बहुजन को अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा हम करेंगे: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश में समावेशिता और समानता की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि कांग्रेस बहुजन को हिस्सेदारी और अधिकार देने वाले संविधान की रक्षा करेगी।

उन्होंने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 'दलित किचन' के अपने दौरे का एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया। इस वीडियो में वह खाना बनाने में मदद करते देखे जा सकते हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी (दलित किचन से जुड़े) ने कहा, दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता। वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं, और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनदे जी और अंजना तुकाराम सनदे जी के साथ एक दोपहर बिताई।'' उनका कहना था, ''कोल्हापुर, महाराष्ट्र में मुझे अपने घर सम्मान के साथ बुलाकर रसोई में हाथ बंटाने का मौका दिया। हमने मिलकर चने के साग की सब्ज़ी 'हरभऱ्याची भाजी' और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई।''

यति नरसिंहानंद के खिलाफ प्रदर्शन, पुलिस चौकी पर पथराव मामले में 13 गिरफ्तार

लखनऊ/सहारनपुर (उप्र)/भाषा। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ डासना मंदिर के मुख्य पुजारी यति नरसिंहानंद के कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में सहारनपुर में प्रदर्शन के दौरान शेखपुरा पुलिस चौकी पर पथराव करने के मामले में पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहारनपुर के पुलिस अधीक्षक (शहर) अभिमन्यु मांगलिक ने सोमवार को बताया, ''शेखपुरा चौकी पर पथराव मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत 20 नामजद एवं अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।'' उन्होंने बताया, ''इन 20 नामजद व्यक्तियों में से 13 आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

तेंदुलकर ने 38 साल पहले मुंबई के लिए आयु वर्ग में खेली गयी पहली शतकीय पारी को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को लगभग 38 साल पहले अंडर-15 क्रिकेट में बड़ौदा में खेली गयी शतकीय पारी अच्छे से याद है क्योंकि यह मुंबई के लिए उनका पहला शतक था।

क्रिकेट के सबसे महान बल्लेबाजों में शामिल 51 साल के तेंदुलकर ने सोमवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के ब्रांड दूत नियुक्त होने के बाद कहा कि उन्होंने मुंबई के लिए अपना पहला शतक बड़ौदा में ही लगाया था। तेंदुलकर ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''इस कमरे में मौजूद बहुत से लोगों को यह नहीं पता होगा कि मैंने किसी भी आधिकारिक टूर्नामेंट, किसी भी आयु वर्ग में मुंबई के लिए पहला शतक बड़ौदा में बनाया था।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि 1986 का साल था। मैंने अंडर-15 टूर्नामेंट खेलते हुए अपना पहला शतक बनाया था। हम बड़ौदा में महाराष्ट्र के खिलाफ खेल रहे थे और मैंने 123 रन बनाये थे।'' तेंदुलकर ने कहा कि इसके कुछ समय के बाद उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम में नामित किया गया था लेकिन वह एकादश में जगह नहीं बना सके थे और यह मैच भी बड़ौदा में ही खेला गया था। उन्होंने कहा, ''उस समय, मुझे वास्तव में आपके संस्थापक (बड़ौदा के महाराजा, सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय) के महल का दौरा करने का अवसर मिला। मैंने महल में रखी गयी उनकी विशेष चीजों को देखा।''

उन्होंने कहा, ''अगर मैं गलत नहीं हूं, तो मैंने समरजीत गायकवाड़ (बड़ौदा के पूर्व खिलाड़ी) के खिलाफ भी खेला है। वह गायकवाड़ परिवार से ही हैं।'' रिकॉर्ड 463 एकदिवसीय खेलने वाले तेंदुलकर इस मौके पर यह जिक्र करना नहीं भूले कि उन्होंने अपना 400वां वनडे बड़ौदा में ही खेला था। उन्होंने कहा, '' बड़ौदा में मेरे साथ कई विशेष चीजें हुईं। मुझे लगता है कि मेरा 400वां वनडे मैच भी बड़ौदा में खेला गया था। इसलिए यह जुड़ाव समय के साथ बढ़ता गया।''

गेंद की गति हमेशा मेरे दिमाग में रहती है लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जरूरी : मयंक यादव

ग्वालियर/भाषा। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती टी 20 अंतरराष्ट्रीय में यादगार पदार्पण करने वाले तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा कि तेज गति ने उन्हें हमेशा प्रभावित किया है लेकिन वह इस बात को जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिटनेस संबंधी उतार-चढ़ाव के बीच सिर्फ निरंतरता से ही अपने करियर को आगे बढ़ा सकते हैं।

इस साल आईपीएल की दस सबसे तेज गेंद (सभी 150 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक) फेंकने वाले इस 22 साल के गेंदबाज ने अपनी गति से बांग्लादेश के बल्लेबाजों को भी परेशान किया। उनका पहला ओवर मेडन रहा। उन्होंने अपने चार ओवर के कोटे में 14 डॉट गेंद डाली और 21 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मयंक ने अपने पदार्पण के बाद मैच के प्रसारक जियो सिनेमा से कहा, '' मैं उत्साहित था लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं थोड़ा नर्वस भी था क्योंकि मैं चोट से उबरने कर लगभग तीन-चार महीने बाद वापसी कर रहा था। मुझे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिले थे और फिर अचानक मुझे मौका मिला।'' उन्होंने कहा, '' मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण कर रहा था इसलिए थोड़ा घबराया हुआ था।'' आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए लगातार दो मैचों में 'मैन ऑफ द मैच' रहे मयंक को पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैबिलिटेशन के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में लंबा समय बिताना पड़ा।

सुविचार

मेहनत करने का कोई मौसम नहीं होता, जब करना शुरू करो वही मौसम हसीं बन जाती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षित व सुखद आयोजन कैसे हों?

चेन्नई में मरीना बीच पर वायुसेना का 'एयर शो' रोमांचक रहा, लेकिन कई लोगों की तबीयत बिगड़ने और पांच लोगों के जान गंवाने की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। यह कैसे हुआ, क्या आयोजन स्थल पर पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, अगर थे तो कमी कहां रह गई, लोगों ने किन सावधानियों का पालन नहीं किया, ऐसी घटनाओं को भविष्य में कैसे टाला जा सकता है ... जैसे कई बिंदुओं को शामिल करते हुए इसकी जांच होनी चाहिए और रिपोर्ट के निष्कर्षों को सार्वजनिक करना चाहिए। भारत में हर साल विभिन्न आयोजनों में काफी तादाद में लोग इकट्ठे होते हैं। बेशक हर जगह अप्रिय घटनाएं नहीं होतीं, लेकिन कई जगह होती हैं। यह हकीकत है, जिससे इन्कार नहीं किया जा सकता। कहीं गर्मी, कहीं भगदड़, कहीं करंट तो कहीं दीवार / छत आदि गिरने से लोग घायल होते हैं और जान भी गंवाते हैं। अगर किसी भी आयोजन से पहले कुछ खास बातों का ध्यान रखा जाए तो अप्रिय घटनाओं को काफी हद तक टाला जा सकता है। आयोजकों को यह बात याद रखनी चाहिए कि जितने लोगों के आने की संभावना है, इंतजाम उससे ज्यादा करें। आयोजक चाहते हैं कि कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग आएं। ऐसी इच्छा रखना गलत नहीं है। वे इस बिंदु को नज़रअंदाज़ न करें कि अब सोशल मीडिया का ज़माना है। आप जितने लोगों को न्योता दे रहे हैं, सोशल मीडिया के जरिए उसका संदेश लोगों तक पहुंचते-पहुंचते वायरल भी हो सकता है। क्या यह उचित समय नहीं है कि जरूरत से ज्यादा भीड़, अव्यवस्था और अप्रिय घटनाओं को टालने के लिए तकनीक के जरिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि उतनी ही तादाद में लोगों को प्रवेश दिया जाए, जितने लोगों के लिए जगह है? इसमें परिस्थितियों के आधार पर तादाद को थोड़ा और बढ़ाए जाने की गुंजाइश भी रहे।

कुछ साल पहले चीन में एक युवती ने अपनी शादी का निमंत्रण पत्र दोस्तों के साथ साझा करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया था। उसके परिवार ने यही सोचा था कि शादी में ज्यादा से ज्यादा डेढ़ सौ-दो सौ मेहमान आएंगे। इतनी तादाद को ध्यान में रखते हुए सभी इंतजाम किए गए। इस बीच युवती द्वारा पोस्ट किया गया निमंत्रण पत्र सोशल मीडिया पर शेयर होते-होते जबर्दस्त वायरल हो गया। जिस दिन शादी थी, वहां 8,000 से ज्यादा मेहमान आ गए थे! उन्हें देखकर घरातियों के होश उड़ गए। उन्होंने इतने लोगों के लिए इंतजाम नहीं किए थे और न वे कर सकते थे। बड़े आयोजनों में इस पहलू का खास ध्यान रखना चाहिए। अगर गर्मी पड़ रही हो तो छाया की व्यवस्था करें। सबके लिए ऐसा करना संभव न हो तो निजी छाता, पानी की बोतल आदि लाना अनिवार्य करें। नींबू, सौंफ, इलायची जैसी चीजें लाने की सलाह दें, ताकि किसी का जी मिचलाने पर इनके सेवन से कुछ राहत तो मिले। आयोजन स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा के पर्याप्त इंतजाम होने चाहिएं। एंबुलेंस जैसे वाहनों की निकासी के संभावित मार्ग को लेकर जरूर विचार करना चाहिए। जो लोग स्वास्थ्य संबंधी कारणों से प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियां (बहुत गर्मी या बहुत सर्दी) और भीड़भाड़ बर्दाश्त नहीं कर सकते, उनसे विनम्र निवेदन करें कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। आयोजन करने से पहले भौगोलिक परिस्थितियों के आधार पर सुरक्षा के बिंदुओं का आकलन जरूर करें। एक भी बिंदु को नज़रअंदाज़ करना भारी पड़ सकता है। याद करें, साल 2018 में पंजाब के अमृतसर में दशहरे पर रावण दहन के दौरान बड़ा हादसा हुआ था। आयोजन स्थल से कुछ ही दूरी पर ट्रेन की पटरियां थीं। लोग वहां खड़े होकर मेले का आनंद ले रहे थे। उसी दौरान ट्रेन आ गई और लगभग पांच दर्जन लोगों को काटती हुई निकल गई थी। जहां हंसी-खुशी का माहौल था, वहां मातम पसर गया। अगर आयोजक और दर्शक थोड़ी-सी सावधानी बरतते तो लोगों की जानें बच सकती थीं। सही तैयारी, सूझबूझ और सतर्कता से ही हादसों को टाला जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

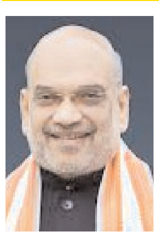

आज नई दिल्ली में नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। नक्सलवाद देश के विकास व शांति का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसने असंख्य लोगों का भविष्य अंधकार मय कर दिया।

-अमित शाह

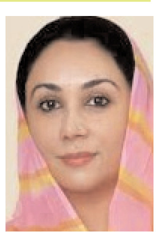

वीकेआई एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में शामिल हुई। इस अवसर पर व्यापारी बंधुओं के साथ संवाद कर विकसित राजस्थान के लक्ष्य को प्राप्त करने एवं राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने में विद्याधर नगर की भागीदारी को लेकर चर्चा की।

-दीया कुमारी

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, जनकल्याण, सुशासन और समाज के उत्थान हेतु समर्पित किया है। यह 23 वर्षों की अनवरत साधना उस अद्वितीय समर्पण का प्रतीक है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निरंतर कार्यरत रहने की प्रेरणा देती है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

दानवीर माघ

माघ जितने बड़े कवि थे, उतने ही बड़े दानी। अपने दरवाजे पर आने वाले याचक को दान देने से उन्हें संतोष मिलता था। एक दिन राजा ने राजसभा में उनके द्वारा रचित काव्य की पंक्तियां सुनकर उन्हें इनाम के रूप में धन दिया। उन्होंने तमाम धनराशि रास्ते में याचकों को बांट दी। घर पहुंचे, तो द्वार पर भी याचक खड़ा था। उसे देने के लिए उनके पास कुछ नहीं बचा था। याचक ने आंखों में आंसू भरकर कहा, 'मेरी बूढ़ी मां बीमार है। दवा के लिए भी पैसे नहीं हैं।' माघ ने सुनते ही द्रवित होकर प्रार्थना की, 'हे मेरे प्राण, इस विवशता में आप स्वयं मुझे छोड़ चलिए। आत्महत्या पाप है, अन्यथा में प्राण त्याग देता।' अचानक उनका एक मित्र पहुंचा। वह देखते ही सब समझ गया। उसने अपनी जेब से मुद्रा निकाली और याचक को दे दी। माघ ने मित्र में भी भगवान के दर्शन किए, जिसने उनकी लाज बचा ली।

सामयिक

बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्तूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे।

'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

मंथन

अच्छी बारिश ने रेतीले राजस्थान में सूखे कुओं को किया रिचार्ज

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

देश के अनेक राज्यों में भारी वर्षा से नदी, नालों, तालाबों, झीलों, कुओं और बांधों में पानी की अच्छी आवक से भूजल स्तर में वृद्धि के साथ पेयजल किल्लत वाले क्षेत्रों में ख़ुशी की लहर देखी जा रही है। मरू प्रदेश राजस्थान में इस मानसून में जोरदार वर्षा होने से फसल अच्छी हुई है वहीं सूखे कुएं रिचार्ज हो रहे है। ग्रामीणों का कहना है हमारी नदियों और अन्य स्रोतों में पानी की अच्छी आवक होने से भूमिगत जलस्तर में आशातीत रूप से वृद्धि हुई है। अनेक नदियां वर्षों से सूखी पड़ी थी, उनमें भी पानी आया है। भूजल स्तर में वृद्धि होने से डार्क जोन क्षेत्रों के कुओं, हैडपम्पों और ट्यूबवेल सहित अन्य स्रोतों में पानी आने से पेयजल की किल्लत ख़त्म होने के आसार है। प्रदेश के लगभग सभी बांध पानी से लबालब भर गए है जिससे सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में अच्छी मदद मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस से पचास वर्षों की अवधि में सूखे की मार झेल रही अनेक जिलों की नदियों में पानी की आवक से लोगों के चेहरों पर ख़ुशी देखी जा रही है। मानसून ने पिछले 50 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है पानी की अच्छी आवक से भूमिगत जलस्तर में आशानुरूप रिचार्ज होने के समाचार मिल रहे है। बारिश ने पचास के बाद प्रदेश में नया रिकॉर्ड बनाया है। विशेषकर पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी जिलों में पेयजल की किल्लत ख़त्म होने की जानकारी मिली है। इस क्षेत्र के सूखे पड़े कुएं रिचार्ज होने से लोगों में पानी के लिए मारा मारी ख़त्म हुई है।

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश रेतीला, बंजर, पर्वतीय और उपजाऊ कच्छारी मिट्टी से मिलकर बना है। राज्य की अर्थ व्यवस्था कृषि एवं ग्रामीण आधारित है। कृषि और पशु पालन यहां के निवासियों के मुख्य रोजगार है। वर्षा की अनियमितता के कारण यह प्रदेश अनेकों बार सूखे और अकाल का शिकार हुआ। मगर प्रदेश- वासियों ने विपरीत स्थितियो में भी जीना सीखा और अपने बुलन्द हौसले को बनाये रखा। राजस्थान अपनी जल-जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे ज्यादा भू-जल पर ही निर्भर है। यह ग्रामीण एवं शहरी घरेलू जलापूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पिछले कुछ वर्षों में लाखों निजी कुओं के निर्माण से भूजल के दोहन में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा खेती में सिंचाई भूजल के माध्यम से होती है। जिसके परिणामस्वरूप भूजल में गिरावट आई है। भू-जल दोहन के अनुपात में जल की प्राप्ति नहीं होने से संकट बढ़ रहा है। घटते भू-जल के लिए सबसे प्रमुख कारण उसका अनियन्त्रित और अनवरत दोहन है। इस वर्ष मानसून में अनेक ऐसी नदियों और तालाबों में पानी आने के समाचार भी मिल रहे जो वर्षों से सूखे की मार झेल रहे थे। भूजल खेती और सिंचाई के कार्य में बहुतायत से उपयोग में आता है।

'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023' शीर्षक से संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय-पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान की एक रिपोर्ट में बताया गया है, भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक भूजल स्तर को फिर से जीवंत करने में वर्षा जल मदद करता है। पेयजल का मुख्य स्रोत भूगर्भ जल ही है। भूजल वह जल होता है जो चट्टानों और मिट्टी से रिस जाता है और भूमि के नीचे जमा हो जाता है। जिन चट्टानों में भूजल जमा होता है, उन्हें जलभृत कहा जाता है। भारी वर्षा से जल स्तर बढ़ सकता है और इसके विपरीत, भूजल का लगातार दोहन करने से इसका स्तर गिर भी सकता है।

नजरिया

सुशासन के संकल्पों को साकार करता मोहन का मध्यप्रदेश

हर्षवर्धन पाण्डे

शासन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाबदेही,पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है। भारतवर्ष में आदिकाल से ही सुशासन की परंपरा रही है। आदिकाल की इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्य प्रदेश भी सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसम्बर 2023 को प्रदेश की बागडोर संभाली। उनके बागडोर संभालते ही प्रदेश में सुशासन का सूर्यादय हुआ है। प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूलमंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 9 माह की अल्पावधि में कई जनहितकारी फैसलों से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए गए हैं। सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतिफल है कि आज प्रदेश में मोहन सरकार जनता से जुड़े फैसले ले रहे हैं। इसका मुख्य कारण स्वच्छ और ईमानदार प्रशासन और सरकारी काम-काज में पारदर्शिता लाना रहा है। आम आदमी की जिंदगी में बदलाव लाना मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्य उद्देश्य है। अल्प अवधि में मोहन सरकार ने जनता से किए गए वादे पूर्ण करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं, जिसके कारण प्रदेश में विकास का नया दौर शुरू हुआ है। सेवा, सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के संकल्प को लेकर प्रदेश सरकार जनता की सेवा में दिन-रात लगी हुई है।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में अपने काम से न केवल जनता का दिल जीता है बल्कि अपने सख्त निर्णयों के माध्यम से राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने भी अपनी अलहदा पहचान बनाने में सफलता पाई है। उन्होनें योग्य अफसरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर अपने बुलंद इरादों को सभी के सामने जता दिए। इस छोटे से कार्यकाल में उन्होनें अपनी खुद की नई टीम बनाई और सीएम आवास से लेकर मंत्रालय, संभाग और जिलों में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करने से भी परहेज नहीं किया। हर समय एक्शन में रहने वाले डा. मोहन यादव के तेवरों को देखकर आज प्रदेश में पूरी नौकरशाही सहमी हुई है। मंत्रालय का वल्लभ भवन कमलनाथ के दौर में दलालों का अड्डा बना था। वहाँ पर भी ताबड़तोड़ तबादलों से मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने खलबली मचा दी। हर किसी अधिकारी के ट्रैक रिकार्ड को न केवल खंगाला बल्कि कार्यक्षमताओं के अनुरूप सभी को नए कार्यों का प्रभार सौंपा। ख़ास बात ये है इस सरकार में बेलगाम नौकरशाही पर भी नकेल कसी गई है जिस कारण मध्यप्रदेश का डबल इंजन विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए मुखिया की तीव्र गति से निर्णय लेने की क्षमताओं से मध्यप्रदेश में एक बदलाव की नई बयार देखने को मिल रही है। नई विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था होने से अब प्रदेश के विकास कार्यों में न केवल तेजी आयी है बल्कि समय-समय पर मॉनीटरिंग किये जाने से जनता के हित में तेजी से निर्णय लिये जा रहे हैं।

साइबर तहसील डिजिटल इंडिया की दिशा में प्रदेश के नागरिकों को सुविधा प्रदान करने की दिशा में की गई बड़ी पहल है। इसके जरिए लोगों को कई कामों को करने में आसानी हुई है। खास तौर पर भूमि या भूखंड खरीदी बिक्री के बाद आने वाली कठिनाइयों को साइबर तहसील के जरिये काफी आसान कर दिया गया है। इससे लोगों को भाग दौड़ से निजात मिल रही है और समय की भी बचत हो रही है। साइबर तहसील खोले जाने का सबसे प्रमुख उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और लोगों को सुविधा पहुंचना है। साइबर तहसील बनने के बाद रजिस्ट्री होने पर बिना किसी आवेदन के नामांतरण प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। साइबर तहसील में सार्वजनिक नोटिस की प्रक्रिया को भी सरल किया गया है। क्रेता- विक्रेता और गांव के निवासियों को एसएमएस के माध्यम से सार्वजनिक नोटिस जारी किया जाता है। इसके अलावा आपत्तियों को लेकर भी ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन किया जाता है। एसएमएस में 10 दिनों के अंदर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करने के लिए लिंक भी प्रदान किया जाता है। साइबर तहसील में पटवारी की सकारात्मक रिपोर्ट और कोई आपत्ति नहीं होने पर तुरंत नामांतरण आदेश जारी किया जाता है। इसके अलावा भू अभिलेख अपडेट करने को लेकर भी रियल टाइम में तुरंत खसरा, नक्शा जैसे भू अभिलेख ऑनलाइन दर्ज हो जाते हैं। इतना ही नहीं प्रमाणित प्रति भी व्हाटसएप और ईमेल के माध्यम से तुरंत भेज दी जाती है। मुख्यमंत्री की शपथ लेने के तुरंत बाद डा. मोहन यादव का पहला फैसला मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थानों पर जोर से लाउड स्पीकर बजाने और खुले में मांस और अंडे की बिक्री पर सख्ती से रोक का रहा। इस फैसले का सभी ने तहे दिल से स्वागत किया। अपराधियों के घरों पर मोहन सरकार भी अपनी बुलडोजर नीति पर चल रही है जिससे अपराधियों के मन में खौफ बैठ गया है।मुख्यमंत्री डा.मोहन नई बसाहट के साथ काम करना चाहते हैं जो त्वरित निर्णय ले सके।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने 100 दिनों के कार्यकाल में पहली बार हुकुमचंद मिल इंदौर के 4 हजार 800 श्रमिकों को उनका हक दिलाया है। तीस वर्ष से अटके इस मामले को डॉ. मोहन यादव ने एक ही बैठक में निपटा दिया। मध्यप्रदेश सरकार, राजस्थान सरकार और केंद्र सरकार के बीच 28 जनवरी को श्रमशक्ति भवन स्थित जल शक्ति मंत्रालय के कार्यालय में संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए जिससे मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा अंचल के 13 जिलों की आम जनता को मिलेगा। कई बरसों से लटके इस मामले को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जयपुर में एक ही बैठक में निपटा दिया। सीएम के निर्देश पर राजस्व महाअभियान चलाया गया जिसमें लाखों प्रकरणों का निपटारा हुआ। अभियान के तहत डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण भी किया गया। अविवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 30 दिन में, विवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण 150 दिन में किया जायेगा। बंटवारा प्रकरणों के निराकरण की समय-सीमा 90 दिन है और सीमांकन प्रकरणों को 45 दिन में निराकृत करने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही नक्शे में तरमीम का कार्य सतत जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीराम पथ गमन न्यास की पहली बैठक में अयोध्या की तर्ज पर चित्रकूट में भी विकास कार्य करवाए जाने की बड़ी घोषणा की। जिन स्थानों से भगवान राम गुजरे सरकार ने उन स्थानों को सड़क मार्ग से जोड़ने का ऐलान कर सनातन प्रेमियों का दिल जीतने का काम किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव की सरकार ने महाकाल की नगरी में रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव' के सफल आयोजन किया जिसके माध्यम से प्रदेश में निवेश की बड़ी संभावनाएं बन रही हैं। उज्जैन धार्मिक पर्यटन के साथ इंदौर और देवास से मिलकर एक महानगर के रूप में विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री प्रयत्नशील हैं। मोहन सरकार की अब तक की दिशा देखकर स्पष्ट नजर आता है कि वह पार्टी के संकल्प पत्र में किये गए वायदों को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और मोदी की हर गारंटी पूरा करने के लिए डॉ. मोहन यादव ने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी है। मध्यप्रदेश के गरीब और मध्यमवर्ग के परिवारों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा परिवार में कोई सदस्य अगर बीमार पड़ गया तो उसे एयर एम्बुलेंस जैसी सुविधा मिलेगी लेकिन डॉ. मोहन ने अपने कार्यकाल में प्रदेश की जनता को इसकी बड़ी सौगात दी।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने गुड गवर्नेंस के मॉडल को सभी के सामने पेश किया है जिसमें जनता के हितों की अनदेखी होनी फिलहाल तो मुश्किल दिखाई दे रही है। नया 'मोहन मॉडल 'सबकी जुबान पर चढ़ रहा है। एमपी की जनता भी उनके निर्णयों पर हामी भरती नजर आ रही है। पक्ष और विपक्ष भी उनकी नीतियों और काम करने के अलहदा अंदाज का का तोड़ नहीं निकाल पा रहा है। हालाँकि सरकार का 10 माह का कार्यकाल बहुत छोटा होता है लेकिन मोहन यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में इस बात को प्रदेश के भीतर स्थापित कर दिया है उन्हें कमतर आंकने की भूल कोई भी नहीं करे, वह मध्यप्रदेश की राजनीती नहीं बल्कि देश की सियासत में भी लम्बी रेस के घोड़े साबित होंगे।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समूह फोटो

मुंबई में निवेश पर 12वें भारत-यूएई उच्च स्तरीय संयुक्त कार्य बल के दौरान एडीआईए के एमडी एचएच शेख हामिद बिन जायद अल नाहयान और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक समूह फोटो में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

मानव की वजह से पक्षियों के विलुप्त होने से कार्य विविधता में आई कमीः अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा

पिछले 1,30,000 वर्षों में मनुष्यों के कारण पक्षी प्रजातियों के विलुप्त होने से पर्यावरण में पक्षियों की कार्यात्मक विविधता में काफी कमी आई है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है।

इसमें पाया गया कि इस विलुप्ति के परिणामस्वरूप तीन अरब वर्षों का विशिष्ट विकासवादी इतिहास भी नष्ट हो गया।

ब्रिटेन के बर्मिंघम विश्वविद्यालय के नेतृत्व में अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि प्लीस्टोसीन युग के अंत से लेकर अब तक पक्षियों की कम से कम 600 प्रजातियां, जिनमें 'डोडो' और 'कौआई ओ' भी शामिल हैं, मनुष्यों के कारण विलुप्त हो चुकी हैं। यह कालखंड 26 लाख वर्ष पूर्व से लेकर 11,700 वर्ष पूर्व तक का है, जब आधुनिक मानव ने पूरे विश्व में फैलना शुरू किया था।

डोडो, कबूतर परिवार से संबंधित एक भारी पक्षी है जो कम उड़ान भरता है और इसका मूल पर्यावास मॉरीशस द्वीप था, जबकि 'कौआई ओ' का पर्यावास मूल रूप से हवाई द्वीप कौआई रहा था और इसे 2023 में विलुप्त घोषित किया गया था।

'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में लेखकों ने लिखा है, ''पिछले 1,30,000 वर्षों में ज्ञात पक्षी प्रजातियों में से लगभग पांच प्रतिशत विलुप्त हो चुकी हैं। द्वीपों पर प्रजातियों की, कार्य संबंधी और वर्ग अनुवांशिकी की विविधता क्षति बहुत अधिक है।''

बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के प्रमुख अनुसंधानकर्ता टॉम मैथ्यूज ने कहा, ''यह अध्ययन वैश्विक संरक्षण रणनीतियों एवं पारिस्थितिकी तंत्र बहाली के लिहाज से प्रभावी लक्ष्य तय करने के लिए महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा कि जब प्रजातियां विलुप्त हो जाती हैं तो पर्यावरण विविधता में उनकी विशेष भूमिका का भी अंत हो जाता है।

उम्र संबंधी समस्याओं की जांच करा रहा हूं, चिंता की कोई बात नहींः रतन टाटा

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति एवं टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है और वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच करा रहे हैं। मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती होने की खबरों को ''अफवाह'' करार देते हुए टाटा (86) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' ये दावें निराधार हैं।'' उन्होंने कहा, '' मैं उम्र संबंधी बीमारियों के कारण अभी चिकित्सकीय जांच करा रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं सही हूं।'' टाटा ने जनता और मीडिया से अनुरोध किया कि वे ''गलत जानकारी फैलाने से बचें।'' उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मार्च 1991 से दिसंबर 2012 तक टाटा समूह का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, ''चिंता की कोई बात नहीं है। मैं अच्छे मूड में हूं।'' उन्होंने लोगों और मीडिया से गलत सूचना फैलाने से बचने का अनुरोध भी किया।

अल्बानिया में आयोजित भारत उत्सव में भारतीय व्यंजनों, परंपरा और वास्तुकला की दिखी झलक

तिराना/भाषा

अल्बानिया के राष्ट्रपति के राजप्रसाद का एक हिस्सा कुछ समय के लिए भारतीय शाही दरबार में तब्दील हो गया जिसमें रामपुर की समृद्ध पाककला, पारंपरिक संगीत और फैशन की झलक दिखाई दी।हजारों मील की दूरी पर यह संभव हुआ अल्बानिया में भारत की समृद्ध संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित पहले भारत महोत्सव की वजह से। इस उत्सव का आयोजन पिछले सप्ताह अल्बानिया के अर्थव्यवस्था, संस्कृतिक और नवाचार मंत्रालय द्वारा किया गया क्योंकि बाल्कन का यह छोटा सा देश भारत के साथ अपने संबंधों को प्रगाढ़ करना चाहता है और इसकी शुरुआत वह लोगों से लोगों के बीच संपर्क के साथ कर रहा है। ''मिनी फेस्टिवल ऑफ इंडिया इन तिराना' नाम से की गई इस पहल में ''शाही रात्रि भोज'' के अलावा आजादी के बाद से भारत की वास्तुकला में की गई प्रगति को भी प्रदर्शित किया गया। इस पूरे आयोजन की परिकल्पना भारत में अल्बानिया के मानद महा वाणिज्यदूत दीक्षु कुकरेजा की थी। सात चरणों के रात्रिभोज के लिए भारत से एक खानसामा और 28 किलोग्राम मसाले मंगवाए गए थे। इस भोज में नेताओं, कारोबारियों और कलाकारों सहित करीब 100 प्रभावशाली लोगों ने हिस्सा लिया। इस भोज की मेजबानी रामपुर शाही परिवार के काजिम अली खान ने की। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य खान ने कहा, ''रामपुर का शाही रसोईघर न केवल पाककला की विरासत है, बल्कि यह हमारी संस्कृति की आत्मा का प्रतिबिंब है। मुझे इसे इतने भव्य तरीके से फिर से स्थापित होता देखकर गर्व हो रहा है।''

खान ने कहा कि अल्बानिया में रात्रिभोज का आयोजन एक चुनौती थी, क्योंकि उन्हें उचित बर्तन नहीं मिल सके जिनमें आमतौर पर भारतीय भोजन पकाया जाता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रामपुरी भोजन आमतौर पर बहुत मसालेदार होता है, इसलिए खानसामा को इसे यहां के निवासियों के स्वाद के अनुरूप बदलना पड़ा। एक और चुनौती व्यंजनों में इस्तेमाल की जाने वाली प्रामाणिक सामग्री की तलाश थी। अल्बानिया के प्रधानमंत्री ईदी रामा ने कहा कि यह ''शानदार आयोजन'' दोनों देशों के बीच मित्रता का प्रतीक है। अल्बानिया के अर्थव्यवस्था, संस्कृति और नवाचार मामलों के मंत्री ब्लेंडी गोन्झा ने कहा कि यह रात्रिभोज ''हमें न केवल भारतीय व्यंजनों के स्वाद के करीब लाता है, बल्कि सांस्कृतिक समृद्धि को भी करीब लाता है, जो हमारी संस्कृतियों, परंपराओं, इतिहास और कला के प्रति हमारे साझा सम्मान के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई हैं।'

भारत, यूएई खाद्य गलियारा स्थापित करने पर दो अरब डॉलर का निवेश करेंगे : गोयल

मुंबई/भाषा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) दो अरब डॉलर के अनुमानित निवेश से एक खाद्य गलियारा स्थापित करेंगे जो यूएई एवं अन्य खाड़ी बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगा। इससे भारत के किसानों को अधिक आमदनी एवं अधिक रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत-यूएई उच्चस्तरीय कार्यबल की 12वीं बैठक के बारे में यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच खाद्य गलियारे की स्थापना को मिशन के तौर पर आगे बढ़ाने के लिए एक छोटा कार्यसमूह भी गठित किया गया है जिसमें केंद्र सरकार, संबंधित राज्य सरकारें और यूएई शामिल हैं। गोयल ने कहा, ''भारत में खाद्य पार्कों की स्थापना के बारे में बहुत विस्तार से चर्चा की गई। इससे जुड़ा बुनियादी काम काफी हद तक पूरा हो चुका है। यह एक और क्षेत्र है जो किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद करेगा, हमारे हजारों युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण में रोजगार देगा और यूएई की खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगा।

'' उन्होंने कहा कि यूएई ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और खाद्य पार्क लॉजिस्टिक में निवेश के लिए लगभग दो अरब डॉलर की शुरुआती प्रतिबद्धता जताई है। भारत से यूएई को खाद्य उत्पाद पहुंचाने के लिए लॉजिस्टिक सुविधाओं की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, ''हमने केंद्र एवं राज्य सरकारों और यूएई की भागीदारी वाले एक छोटे कार्यसमूह का गठन किया है, जो दोनों देशों के बीच एक खाद्य गलियारे की स्थापना को मिशन के तौर पर आगे बढ़ाएगा।'' उन्होंने अगले ढाई साल में यह निवेश होने की उम्मीद जताते हुए कहा, ''काफी समय से चर्चा है कि यूएई भारत में खाद्य प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करने में निवेश करना चाहेगा ताकि उसके लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके, भारतीय किसानों के उत्पादों का उपयोग किया जा सके और उन्हें यूएई में बेचा जा सके।''

गोयल ने कहा, ''यह मामला काफी समय से यूएई सरकार और भारत के विभिन्न राज्यों के साथ चर्चा में है। अब हम यह सुनिश्चित करने की तेजी से कोशिश कर रहे हैं कि यूएई के निवेशकों और यूएई एवं अन्य खाड़ी बाजारों के साथ भारत में खाद्य प्रसंस्करण में निवेश हो सके।''

उत्सव

कोलकाता के सियालदह रेलवे स्टेशन पर दुर्गा पूजा उत्सव में ढोल वादक अपनी ढाकियों के साथ पहुंचे।

प्रचार

नई दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री आलिया भट्ट।

छह फीट से ज्यादा लंबी युक्ता मुखी फिल्म इंडस्ट्री में नहीं हासिल कर पाईं ऊंचा मुकाम

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार हुए हैं जो आए तो अपनी काबिलियत के दम पर लेकिन लंबे समय तक टिक नहीं सके। आज गुमनामी की जिंदगी जी रहे इन कलाकारों में पूर्व मिस वर्ल्ड युक्ता मुखी का नाम भी शामिल है। बेंगलूरु में 7 अक्टूबर 1977 को जन्मी और 1999 में मिस इंडिया का खिताब जीतने वाली यह अभिनेत्री आज कैमरों की नजर से कोसों दूर हैं। मिस इंडिया बनने के बाद उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब भी अपने नाम किया, जो इतिहास रचने से कम नहीं था। 6.1 इंच की लंबाई वाली यह अभिनेत्री इंडस्ट्री में वह मुकाम हासिल नहीं कर पाईं जो वह चाहती थीं। युक्ता ने 2002 में फिल्म 'प्यासा' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्री हुई हैं जिनका करियर शादी के बाद खत्म हो गया। युक्ता मुखी ने भी शादी के बाद काम न करने का फैसला किया। ऐसी भी खबरें आई थीं कि अपनी हाइट की वजह से वह बॉलीवुड में चल नहीं पाईं। पूर्व मिस वर्ल्ड ने 2008 में न्यूयॉर्क के एक बड़े बिजनेसमैन प्रिंस तुली से शादी की, लेकिन यह शादी ज्यादा दिन तक टिक नहीं पाई। उन्होंने मीडिया के सामने अपने पति पर दहेज प्रताड़ना और अननेचुरल सेक्स का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि उनके पति उन्हें जानवरों की तरह पीटते हैं। लंबे समय तक कानूनी लड़ाई लड़ने के बाद आखिरकार युक्ता मुखी को 2014 में अपने पति तलाक मिला। फिल्मी करियर की बात करें तो युक्ता की पहली फिल्म 'प्यासा' बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा धमाल नहीं कर पाई। इसके बाद उन्होंने 2003 में 'कब क्यों कहां' और 'हम तीनों' साइन की लेकिन वह अधूरी रही। युक्ता मुखी को पिछली बार फिल्म गुड न्यूज में देखा गया था। मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करने से पहले वह वी.जी. वाजे कॉलेज से जूलॉजी की पढ़ाई कर रही थीं।

मध्य प्रदेश सरकार राजकुमार हिरानी को देगी किशोर कुमार सम्मान अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

मध्य प्रदेश सरकार ने लीजेंडरी किशोर कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए फेमस डायरेक्टर राजकुमार हिरानी को प्रेस्टीजियस किशोर कुमार सम्मान 2023 से नवाज़ने का फैसला किया है। यह सम्मान समारोह 13 अक्टूबर को खंडवा में उनकी डेथ एनिवर्सरी पर आयोजित किया जाएगा। पुलिस परेड ग्राउंड में होने वाले इस इवेंट को इंडियन सिनेमा के महानायक को समर्पित किया गया है। राजकुमार हिरानी इंडियन सिनेमा के बेहतरीन फिल्म मेकर्स में से एक हैं, जो अपनी फिल्मों के माध्यम से हमेशा सामाजिक मुद्दों को उजागर करते आए हैं। अब इस इवेंट में उन्हें इंडस्ट्री में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। राजकुमार हिरानी अपनी क्लासिक फिल्मों 3 इडियटस, पीके, संजू, मुन्ना भाई एमबीबीएस और डोंकी के लिए जाने जाते हैं। 2024 में वह इंडियन सिनेमा में 20 साल पूरे कर रहे हैं। उन्होंने 2003 में मुन्ना भाई एमबीबीएस से करियर शुरू किया था। यह अवार्ड इस मील का पत्थर मानते हुए उनके योगदान को और भी खास बनाता है।

कई सालों से कई नामी सेलिब्रिटीज जैसे अमिताभ बच्चन, मनोज कुमार, दिलीप कुमार, धर्मेंद्र, और शत्रुघ्न सिन्हा को किशोर कुमार सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा प्रोड्यूसर्स, डायरेक्टर्स और लिरिसिस्ट भी इस सम्मान का हिस्सा रहे हैं। इस साल राजकुमार हिरानी को यह अवॉर्ड भोपाल के कल्चरल डिपार्टमेंट की ओर से दिया जाएगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा के दिग्गजों में और भी ऊंचा दर्जा दिलाएगा।

इस इवेंट में किशोर नाइट भी शामिल होगी, जो किशोर कुमार को समर्पित एक स्पेशल म्यूजिकल श्रद्धांजलि होगी। मुंबई के मशहूर गायक नीरज श्रीधर और उनकी टीम किशोर दा के कुछ सबसे पसंदीदा गाने पेश करेंगे। यह उनके एवर ग्रीन म्यूजिक लवर्स के लिए एक पुरानी यादों को ताज़ा करने वाली रात होगी। किशोर कुमार की जिंदगी और विरासत का ये उत्सव राजकुमार हिरानी को सम्मानित करने के साथ ये सुनिश्चित करता है कि किशोर कुमार का प्रभाव आगे आने वाली पीढ़ियों के फिल्म मेकर्स और मुजिशियंस को प्रेरित करता रहेगा।

भविष्य की फिल्मों में सोशल मीडिया की होगी अहम भूमिका : अनन्या पांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि चाहे रोमांस हो या थ्रिलर, सोशल मीडिया आने वाले समय में फिल्मों में अहम भूमिका निभाएगा। अनन्या पांडे ने हाल ही में आधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित 'सीटीआरएल', 'कॉल मी बे' और 'खो गए हम कहां' जैसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। विक्रमादित्य मोटवानी निर्देशित 'सीटीआरएल' में अनन्या ने नेला नामक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की भूमिका निभाई है, जिसकी जिंदगी उस समय तबाह हो जाती है जब वह अपने धोखेबाज पूर्व प्रेमी (विहान समत) को अपने डिजिटल जिंदगी से मिटाने के लिए एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) की मदद लेती है। अभिनेत्री ने अपनी तीन फिल्मों की रिलीज के समय के बारे में भी बात की, जहां उनके पात्रों की डिजिटल जिंदगी कहानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अनन्या ने फिल्मों में सोशल मीडिया के महत्व को लेकर कहा, मुझे लगता है कि यह वह समय है जिसमें हम रह रहे हैं। यह वह पीढ़ी है जिसमें हम रह रहे हैं, जहां प्रौद्योगिकी हमारे जीवन का एक बड़ा हिस्सा है। 'जनरेशन जेड' का हिस्सा होने के नाते, ये कहानियां मेरे लिए प्रासंगिक हैं। यह कुछ ऐसा है जो अभी शुरू हो रहा है।

अनन्या ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, रोमांटिक शैली या थ्रिलर शैली में, यह (तकनीक) एक प्रचलित चरित्र होगा। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो मौजूद है। भविष्य में ऐसी फिल्म बनाना मुश्किल होगा जिसमें कुछ प्रभाव या सोशल मीडिया न हो। आगे चलकर यह कई और कहानियों में होगा। अनन्या (25) ने शकुन बत्रा की फिल्म 'गहराइयां' को अपने करियर की महत्वपूर्ण फिल्म बताया। वर्ष 2022 में आई इस फिल्म में उनके अभिनय की काफी प्रशंसा हुई थी। फिल्म में दीपिका पादुकोण, सिद्धांत चतुर्वेदी और धैर्य करवा भी अहम भूमिका में थे।

उन्होंने कहा, अब, मुझे लगातार ऐसा लग रहा है, 'ओह, मैं पहले से अलग हूं।' और हमारा फिल्म उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। अनन्या ने कहा कि 'गहराइयां' में उनका अभिनय देखने के बाद मोटवानी ने उन्हें 'सीटीआरएल' में काम करने का प्रस्ताव दिया।

अभिनेत्री ने कहा, ये मेरे पसंदीदा निर्देशक हैं और मुझे उनके साथ काम करना बहुत पसंद है। शायद मुझे लेकर उनके विचार बदल गए हैं... मैं हमेशा से इन निर्देशकों के साथ काम करने के लिए तैयार रही हूं। अब मुझे जो काम के अवसर मिल रहे हैं, वे एक अभिनेत्री के रूप में अधिक संतोषजनक हैं। अनन्या करण जौहर और संजय लीला भंसाली समेत अपने कई और पसंदीदा निर्देशकों के साथ भी काम करना चाहती हैं।

फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ अभिनीत आगामी रोमांटिक फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। पुलकित सम्राट ने इंस्टाग्राम हैंडल पर सुस्वागतम ख़ुशामदीद का टीजर शेयर करते हुये कैप्शन में लिखा,बहुत-बहुत आभार के साथ, सुस्वागतम ख़ुशामदीद का टीज़र पेश कर रहा हूं! अमन और नूर की एक प्रेम कहानी से कहीं अधिक। ट्रेलर जल्द ही आएगा। फिल्म जल्द ही आएगी। 22 नवंबर, आपके नज़दीकी थिएटर में।टीज़र में अमन शर्मा का किरदार निभाने वाले पुलकित सम्राट दुल्हे के वेश में ट्रेन के प्रवेश द्वार पर खड़े होते हैं, जबकि फिल्म में नूरजहां का किरदार निभाने वाली इसाबेल उनकी ओर दौड़ती हुई दिखाई देती है। इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल स्टारर 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के आइकॉनिक सीन को रीक्रिएट किया गया है। 'सुस्वागतम खुशामदीद' कैटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ की डेब्यू फिल्म है। इस फिल्म में साहिल वेद, प्रियंका सिंह और मनु ऋषि चड्ढा भी हैं। धीरज कुमार द्वारा निर्देशित और श्रवण कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज कुमार, दीपक धर और अज़ान अली द्वारा निर्मित 'सुस्वागतम खुशामदीद' 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

पाप का कारण हमारे अंदर रहे हुए दोष है। मुंह से अपशब्द निकालना गाढ़ी अंगार है। गुस्से में आये व्यक्ति के बोलने का परिणाम अंगार के समान होता है। क्रोध हमारे अंदर के शुभ भावों को जला देता है। क्रोध से कटुता का जन्म होता है। निंदा धुंआ यानी यह हमारे अंदर रहे हुए क्रोध का रुप है। निंदा करने वाले को किसी की अच्छाई पता नहीं चलती। इन तीनों को दूर करने से जीवन में पापों से मुक्ति मिलती है। परमात्मा ने अहंकार, क्रोध आदि पापों का त्याग किया।

समता, ममता और अहिंसा के प्रतीक है महाराजा अग्रसेन : तनमय वशिष्ठ

अग्रवाल सभा ने मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्री अग्रवाल सभा चेन्नई द्वारा महाराजा अग्रसेन की 5148वी जयंती हर्षोल्लास से वेपरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में सैंकडों की संख्या में उपस्थित अग्रबंधुओ के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 5:30 बजे दीप प्रज्वलन तथा प्रार्थना से की गई। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गोयल ने अपने स्वागत भाषण में महाराजा अग्रसेन द्वारा बताए गए सामाजिक सिद्धांतो पर व्यापक प्रकाश डालते हुए समाज को उन पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर सामाजिक कुरीतियों जैसे बाह्य आडंबर, संकुचित विचारधारा को त्याग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाने का उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब हम इन सभी विचारधाराओं का त्याग करते हुए सकारात्मक विचारों के साथ आगे बढ़े।

सभा के महासचिव बाल गोविंद गुप्ता ने अग्रवाल सभा द्वारा पिछले चार महीनों में किए गए कार्यों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि पिछले चार महीने के अल्प समय में सभा द्वारा अग्रवाल महिला समिति का गठन करके तीन सौ से अधिक अग्र परिवारों को सभा के साथ जोड़ा गया है इसके साथ ही एसआरके केके अग्रवाल सभा भवन अन्ना नगर के मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है साथ ही अनेक सामाज उपयोगी कार्यों जैसे खेल कूद में अग्रणी बच्चों हेतु पुरस्कार, व्यावसायिक विशेषज्ञता पुरस्कार भी दिए गए। अन्य सामाजिक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संपन्न करवाया जा रहा है। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री गंगा सभा हरिद्वार के महासचिव तनमय वशिष्ठ तथा डीएवी ग्रुप आफ स्कूल के सचिव विकास आर्य का परिचय अनिल अग्रवाल तथा चांदनी खेमका ने दिया। मुख्य अतिथि का स्वागत सीताराम गोयल ने तथा विशिष्ट अतिथि का स्वागत सभा उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने शॉल ओढ़ाकर किया। विशिष्ट अतिथि विकास आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि दार्शनिक दृष्टिकोण से सुख एवं दुख की सत्ता अलग-अलग है हमें सुख की प्राप्ति के लिए प्रयास करना होगा सुख प्राप्ति के चार स्तंभ है जिनमें पहला है रिलेशनशिप दूसरा है जीवन का उद्देश्य तीसरा है स्वास्थ्य तथा चौथा है जिस कार्य में पूर्ण मनोयोग से हम लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारा संबंध मजबूत होता है तब हमें सुख की अनुभूति होती है छद्म संबंध हमें सुख के बदले दुख पहुंचाते हैं। वैदिक दृष्टिकोण के अनुसार आध्यात्म इन सभी चार स्तंभों को सहेज कर रखता है जिससे मनुष्य वास्तविक सुख की ओर अग्रसर होता है।

मुख्य अतिथि तनमय वशिष्ठ ने कहा कि महाराजा अग्रसेन केवल अग्र वंशजों के ही आदर्श नहीं है वरन वह हमारी पूरी संस्कृति पूरे समाज और पूरी भारतीय सभ्यता के प्रेरणा स्रोत हैं जिन्होंने समता ममता व अहिंसा का पाठ पूरे विश्व को पढ़ाया उनके द्वारा बताए गए मार्ग केवल अग्रवंशजों के लिए ही नहीं है वरन उनके द्वारा बताए गए सिद्धांत सभी सनातनियों के लिए हैं। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन द्वारा बताए गए सिद्धांतों पर स्वयं चलने तथा आने वाली पीढियो को उन सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित करने का दायित्व हम सभी पर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हमें अपनी नई पीढ़ी को तार्किक ज्ञान सरल शब्दों में देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान विज्ञान के रहस्य से भरी है आज आवश्यकता है कि हम इसे तार्किक दृष्टिकोण से समझे। उन्होंने कहा की सुख का उद्देश्य संस्कारवान होता है जब हम सुख की प्राप्ति के लिए संस्कारों सहित उत्सुक सुख की ओर बढ़ते हैं तो हमारा रास्ता आगे बढ़ता है वही संस्कार रहित सुख हमें पतन के मार्ग पर ढकेलता है । उन्होंने भावी पीढ़ी को महाराजा अग्रसेन द्वारा बताए गए सिद्धांतों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि हमे साहस, शक्ति और पराक्रम का सामंजस्य बिठाते हुए जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ना है। मुख्य अतिथियों के उद्बोधन के उपरांत अग्रवाल महिला समिति की ओर से नौनिहालों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात क्लूनरी अवार्ड, कलश थाली अवार्ड, बिजनेस एक्सीलेंसी अवार्ड, खेलकूद पुरस्कार, मेधावी छात्र छात्रा पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गोयल, उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद अग्रवाल, बालगोविद गुप्ता, सीताराम गोयल, अशोक केडिया, अमित तुलस्यान, मनोज गोयल, जितेंद्र खेमका सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनीता खेमका ने किया।

आरपीएस कैपिटल्स ने कोठारी स्टार्स को हराकर जीती बाजी

खरतरगच्छ युवक परिषद क्रिकेट प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के सेलवापुरम् थित क्रोसबार क्रिकेट मैदान में खरतरगच्छ परिषद द्वारा युवों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ संघ के सचिव श्यामसुन्दर लुनिया, प्रायोजक दीपक क्रियेशन के सुनील दीपक नाहया, परिषद के अध्यक्ष रवि गोलेछा ने किया। सेमीफाइनल में चार टीम एसआरके टाइटन्स, आरपीएस कैपिटल्स, शांति गुरु किंग्स, कोठारी स्टार्स ने मैदान में उतरे। फाइनल्स में आरपीएस कैपिटल्स और कोठारी स्टार्स के बीच में मुकाबला हुआ, जिसमें आरपीएस कैपिटलस ने खिताब जीता।

आरपीएस कैपिटलस के ऑनर महावीर बोथरा और कप्तान अनुज किशोर जैन को विनरस ट्रॉफी लाभार्थी परिवार के देवांश दीपक नाहटा ने प्रदान की, रनर्स अप कोठारी स्टार्स के कप्तान रोशन कोठारी को परिषद के अध्यक्ष रवि गोलेछा ने रनर्स अप ट्रॉफी से सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता के एक दिन पहले सब खिलाड़ियों ने कोयम्बटूर खरतरगच्छ भवन में स्नात्र पूजन साध्वीश्री प्रियसोमनंजना की निश्रा में किया गया।

तीर्थ यात्रा महोत्सव की समारोह पत्रिका का हुआ लेखन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के शुक्रवार पेट में नाकोड़ा धाम में सोमवार को नाकोड़ा यशस्वी नवम्बर में होने वाली 11 दिवसीय तीर्थ यात्रा महोत्सव की कंकु पत्रिका का लेखन शुभमुहूर्त में प्रसिद्ध संगीतकार की स्वर लहरियों के बीच मंत्रोच्चार करते हुए अक्षत, कंकु के छांटे करते हुए शुभारंभ हुआ। मोरपंख लगी चांदी की कलम से आज सफलता का एक नया इतिहास बनाते हुए पत्रिका लेखन किया गया। नाकोडा युवक परिषद के कप्तान विकास धारीवाल ने बताया की इस से पूर्व आर,जी स्ट्रीट जैन मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गई जो बैंड बाजे के साथ नाकोड़ा धाम पहुंची।

सबसे पहले भगवान को अर्पित की जाने वाली 21 पत्रिकाओं का आलेखन संघ यात्रा के लाभार्थी परिवार एवं शहर की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष के द्वारा किया गया। उसके बाद नाकोड़ा ओसवाल जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीरचंद बाफना, सचिव गौतम धारीवाल और तीर्थ यात्रा के संयोजक रमेश बाफना ने पत्रिका भैरव धाम में विराजित भैरव देव को अर्पित कर गुहार लगाई।

शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में दीपिका जैन की दीक्षा समारोह के चौथे दिन सोमवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसका आयोजन लाभार्थी कांकलिया परिवार के आवास से जैन भवन तक किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

श्रीकरणी माता का जन्मोत्सव 13 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीतमिलनाडू चारण समाज चेन्नई के तत्वावधान में श्रीकरणी माताजी जन्मौत्सव 13 अक्टूबर को श्री हिंगलाज भवन में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। सचिव हिंगलाजदान चारण आकली ने बताया कि चेन्नई में 20वां श्री करणीमाता का जन्मोत्सव रविवार को मनाया जाएगा। पूजा अर्चना एवं समाज के प्रबुद्ध लोगों का इस मौके पर आगमन होगा।

उत्तराध्ययनसूत्र 32 आगमों में एक प्रतिष्ठामय सूत्र है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां गणेश बाग शिवाजीनगर में विराजित श्री शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने 'निरयावलिका सूत्र की प्रवचन माला' की विवेचना करते हुए कहा कि 32 आगमों में से 'वण्हिदशा' नामक सूत्र में त्याग धर्म को महत्वपूर्ण जिन्होंने भी समझा-श्रद्धा उत्पन्न हुई।

उत्तराध्ययनसूत्र जो 32 आगमों में एक गरिमा महिमा-प्रतिष्ठामय सूत्र है जिसको हजारों लोगों द्वारा रोजाना पारायण मूलप्राकृत भाषा में करते हैं। श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनों परम्पराओं में उत्तराध्ययन सूत्र की वैराग्य वर्धक तत्वज्ञान भरी गाथाओं का प्रयोग करते ही है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। प्रवचन सभा में आज विशेष उपस्थित रही। निरयावलिया पंचक सूत्र शुरू हो गया है।महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

नरकुन्ड्रम में रामकथा और माता भक्ति जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां नरकुन्ड्रम स्थित श्री देवी करुमारीअम्मन नगर के श्री कुमावत समाज ट्रस्ट भवन नरकुन्ड्रम में नवदिवसीय राम कथा एवं भव्य भक्ति जागरण का आयोजन हो रहा है। कुमावत समाज के अध्यक्ष पाबुराम मालिया ने बताया कि गुरुवार को संत एवं रामायण महापुराण बधावणा के साथ भव्य कलश यात्रा निकाल इस पुण्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक संत सोहनरामजी महाराज उत्तराधिकारी राघव निवास रामद्वारा निमाज के श्री मुख से रामचरित्र मानस कथा का व्यास किया जा रहा है। नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष में प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से संत श्रीमूरतरामजी महाराज, आनंदराम जी महाराज रामद्वारा निमाज के श्री मुख से भजनों की प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। कथा व्यास पांडाल एवं भजन संध्या में प्रतिदिन सैकड़ों भक्त इस भक्ति गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। इस कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष पाबुराम मालिया, उपाध्यक्ष सुभाष मालिया, कोषाध्यक्ष हिरालाल रेणवाल, सचिव पुखराज अडाणीया, सहसचिव गौतमचंद खरनालिया, रामदेव गुगवाण, धर्माराम मालिया, लिखमाराम अडाणिया, प्रकाशचंद दुबलदिया के साथ-साथ सेवा मंडल एवं महिला मंडल अपनी- अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

लिंगराजपुरम बडेर में भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी सेवा संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में आईमाता मंदिर लिंगराजपुरम के प्रांगण में शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव अत्यंत उल्लासमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। कथावाचक संत श्री मनोहरदास ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म से लेकर गोकुल में उनकी बाल लीलाओं की कथा का श्रवण कराया।

नंद घर आनन्द भयो, जय कन्हैयालाल की के जयकारों की गूंज के बीच निकाली गई दिव्य मनोहारी झांकियों में वासुदेव जी को मथुरा में कंस के कारागार में जन्मे अपने पुत्र श्री कृष्ण को उफनती मथुरा को पार कर गोकुल में नंदबाबा के घर पहुँचाने के दृश्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

इस दौरान मंदिर में पुजारी श्री नेमीचंद जी सारस्वत शास्त्री के सानिध्य में चल रहे दुर्गा सप्तशती के हवन अनुष्ठान में प्रतिदिन अलग अलग क्षेत्रों के सदस्य हवन में शामिल हो रहे हैं। जन्मोत्सव के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बेंगलूरु उत्तर विभाग के प्रमुख दोरैकांत, सीरवी सेवा संघ के अध्यक्ष नारायणलाल परिहार, सहसचिव जुगराज चोयल, मांगीलाल राठौड़, शिवलाल गेहलोत, वालाराम गेहलोत सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भजन संध्या में भक्ति गीतों व भजनों से झूम उठा सुसवाणी धाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड़ स्थित श्री सुसवाणी माताजी धाम में नवरात्रि महोत्सव के चौथे दिन विराट भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। सुराणा संघ व भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भक्ति संध्या में अशोक सुराणा के नमस्कार महामंत्र का स्मरण किया। बिहार से आई डिंपल भूमि ने एक से बढ़कर एक भक्तिगीतों और भजनों की प्रस्तुतियां दी। संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम में भक्ति संध्या के मुख्य प्रायोजक गौतमचंद जतनराज रोहित सुराणा परिवार व पैदल यात्रा के लाभार्थी छीत्तरमल रतनलाल सुराणा परिवार का सम्मान संघ चेयरमैन दिलीप सुराणा, अध्यक्ष महीपाल सुराणा, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सुराणा, सरदारमल सुराणा, उपाध्यक्ष डालमचंद सुराणा, सलाहकार जयंत सुराणा, धर्मचंद सुराणा ने किया । कार्यक्रम की शुरूआत में चातुर्मास के दौरान अट्ठाई एवं उसके ऊपर की तपस्या करने वाले सुराणा गौत्र के तपस्वियों का भी सम्मान किया गया। भक्ति संध्या के अंत में स्थानीय कलाकार रामू सिसोदिया के स्वर के साथ माता को चुंदड़ी अर्पण करने का कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र बना। महाआरती में शहर के विभिन्न उपनगरों से आए भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की व्यवस्था में नाहरमल जोजावर, सोहनलाल मुंड़ारा, नरेन्द्र कुमार सोजत सिटी, किशोर कुमार मालुर, मोहित बीकानेर सुराणा यूथ ग्रुप के विकास, धीरज, प्रदीप, गौतम, यश व सरगम ग्रुप ने विशेष सहयोग दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.